सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" संसार जरूरत के नियम से चलता है, सर्दियों में जिस सूरज का इंतजार होता है , उसी सूरज का गर्मियों में तिरस्कार भी होता है, आपकी कीमत तब होगी जब आपकी जरूरत होगी.... !! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–109 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 09 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

मुझे फंसाकर असली भ्रष्टाचार छुपाया जा रहा : धोखाधड़ी के आरोप पर दिनेश साहू का बयान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

हालेकोसा निवासी दिनेश साहू ने अपने खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि पुलिस ने बिना सूचना दिए प्राथमिकी दर्ज की है। साथ ही शिवपुराण कथा आयोजक दीपचंद रजक और उनके साथियों पर अंबागढ़ चौकी क्षेत्र में करोड़ों की वसूली का आरोप लगाया।

कथा कराने को लेकर हुआ था संपर्क

दिनेश साहू ने बताया कि मार्च के मध्य में दीपचंद रजक कुछ लोगों के साथ उनके छुरिया स्थित प्रतिष्ठान आए थे। उन्होंने हालेकोसा की तर्ज पर अंबागढ़ चौकी में शिवमहापुराण कराने और पंडित प्रदीप मिश्रा से कथा की तारीख दिलवाने का आग्रह किया था।

साहू ने कहा कि उन्होंने मई में एक तारीख की जानकारी दी थी, लेकिन शर्त रखी थी कि अप्रैल के पहले हफ्ते तक टेंट, पंडाल, एलईडी, साउंड का 80% पैसा जमा करना होगा। उन्होंने पैसे के लेन-देन से अलग रहने की बात भी कही थी। इसके बावजूद आयोजकों के आग्रह पर कुल 21 लाख रुपये लिए गए, जिसे टेंट, एलईडी, साउंड वालों को एडवांस दिया गया।

80% की जगह मिला सिर्फ 20%

दिनेश साहू के अनुसार तय समय तक 80% की जगह सिर्फ 20% राशि ही जमा हुई। पैसे की व्यवस्था न होने पर उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि मई में कथा होना असंभव है। इसके बाद कथा रांची, झारखंड को मिल गई।

चंदा वसूली का आरोप

साहू ने कहा कि इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि दीपचंद रजक और साथियों ने कथा के नाम पर करोड़ों की रसीद काटी और राजनांदगांव से दुर्ग-भिलाई तक चंदा वसूली की। मना करने पर आयोजकों ने कथा न कराने का फैसला लिया और 21 लाख रुपये वापस मांगे। साहू ने कहा कि उन्होंने एडवांस वापस लेकर लौटाने की बात कही थी।

चाचा के निधन से हुई देरी

दिनेश साहू ने बताया कि इसी बीच उनके चाचा जोधीलाल साहू का 4 मई को निधन हो गया। मई के पहले हफ्ते तक पैसे लौटाने की बात थी, लेकिन निधन के कारण संभव नहीं हो पाया। इस बीच पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई।

विधिक जवाब दूंगा

साहू ने कहा कि उन्होंने कभी पैसे न लौटाने की बात नहीं कही, इसलिए धोखाधड़ी का मामला नहीं बनता। उन्होंने आरोप लगाया कि दीपचंद और साथियों ने कथा के नाम पर जनता से करोड़ों की उगाही की और जवाबदेही से बचने के लिए उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छुरिया में दो बार स्वयं कथा करवाई और छत्तीसगढ़ में 20 से ज्यादा कथाओं में आर्थिक सहायता दी, लेकिन कभी ऐसा आरोप नहीं लगा। वे मामले का विधिक जवाब देंगे। उन्होंने शिवभक्तों से प्रेम और विश्वास बनाए रखने की अपील की।

तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके को मिला बहुमत, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और कांग्रेस के समर्थन से बनेगी सरकार

नई दृष्टिबिंदु / चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिझग वेत्रि कड़गम के सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। सीपीआई, सीपीएम और वीसीके ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है। कांग्रेस ने भी 5 विधायकों के साथ समर्थन की बात कही है। इसके बाद गठबंधन बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गया है।

विजय की सियासी पारी को बल

अभिनेता विजय ने टीवीके के जरिए विधानसभा चुनाव में एंट्री की थी। अब छोटे दलों और कांग्रेस के समर्थन से उनकी पार्टी सत्ता तक पहुंचने की स्थिति में आ गई है। गठबंधन बनने के बाद टीवीके के सरकार बनाने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

आगे की राह

समर्थन पत्र मिलने के बाद टीवीके नेतृत्व जल्द ही राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकता है। नए सियासी समीकरण से तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। फिलहाल टीवीके की ओर से मुख्यमंत्री चेहरे या मंत्रिमंडल को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। समर्थक दलों के साथ बैठक के बाद आगे की रणनीति तय होगी।

समर्थन से बदला समीकरण

सीपीआई, सीपीएम और वीसीके तीनों दलों को मिलाकर कुल 6 सीटें हैं। इन दलों ने टीवीके को समर्थन देने का ऐलान किया है। इसके अलावा कांग्रेस ने अपने 5 विधायकों के साथ टीवीके के साथ जाने की घोषणा की है। इन दलों के समर्थन के बाद टीवीके अब आसानी से बहुमत का आंकड़ा पा लेगी।

कोर्ट के आदेश पर सिंपलेक्स कास्टिंग्स के मालिक केतन और संगीता शाह पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

10 लाख लेकर जमीन बेचने से मुकरे, इसके पहले भी हुई थी एक और एफआईआर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जुनवानी स्थित भूमि प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रवि कुमार महोबिया के आदेश पर थाना सुपेला में सिंपलेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड के मालिक केतन शाह और उनकी पत्नी, कंपनी की डायरेक्टर संगीता केतन शाह के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और षड्यंत्र का अपराध दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता सुनील कुमार सोमन का आरोप है कि 50 लाख में जमीन का सौदा कर 10 लाख एडवांस लेने के बाद रजिस्ट्री से इंकार कर दिया गया।

क्या है पूरा मामला

शिकायतकर्ता सुनील कुमार सोमन के अनुसार,

पहले भी दर्ज हैं मामले

शिकायतकर्ता के अनुसार यह पहला मामला नहीं है। विशाल केजरीवाल द्वारा पुलगांव थाना में 7 अप्रैल 2025 को अपराध क्रमांक 109/25, धारा 420 के तहत मामला दर्ज कराया गया था। उसमें भी एग्रीमेंट और भुगतान के बाद रजिस्ट्री न करने के आरोप हैं। जानकारी के अनुसार, पुलगांव मामले में संगीता केतन शाह अग्रिम जमानत पर हैं। आरोप है कि विशाल केजरीवाल से मुंबई स्थित संपत्ति के नाम पर भी धनराशि ली गई। इस मामले में FIR की जगह धारा 155 CrPC के तहत रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही गई।

केतन शाह और संगीता शाह ने ग्राम कोहका स्थित खसरा क्रमांक 2049, 2023/2, 2023/1, 2071/1 की 0.10 हेक्टेयर भूमि को विवादरहित बताकर 50 लाख में बेचने का सौदा किया। 13 मार्च 2023 को इकारारनामा कर 10 लाख रुपये अग्रिम लिए गए। बाद में पता चला कि जमीन पहले से लीज पर थी और विवादित थी। रजिस्ट्री करने से इंकार कर दिया गया।

आरोप है कि इकरारनामा के बाद भी उसी जमीन को बंधक रखकर एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड से करीब 4.50 करोड़ रुपये का ऋण ले लिया गया। शिकायतकर्ता ने इसे दोहरी आर्थिक गतिविधि बताते हुए 4.60 करोड़ की आर्थिक क्षति का आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ता ने लगाए गंभीर आरोप

शिकायतकर्ता ने कहा कि धोखाधड़ी होने पर थाना से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई, लेकिन न्याय नहीं मिला। आरोप है कि आरोपीगण रसूखदार, आर्थिक रूप से सशक्त और राजनीतिक पहुंच रखने वाले हैं। इसी प्रभाव के कारण कार्रवाई से बचने का प्रयास कर सकते हैं। शिकायतकर्ता ने न्यायालय के आदेश के पूर्ण पालन, त्वरित गिरफ्तारी और वरिष्ठ स्तर पर निगरानी की मांग की है। सिंपलेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड 50 वर्षों से भिलाई में व्यापार कर रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार पूर्व में भी कंपनी से जुड़े लोगों पर आरोप लग चुके हैं। थाना सुपेला ने कोर्ट के आदेश पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बड़ा सवाल

एक से अधिक मामले सामने आने और न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद भी कार्रवाई में देरी क्यों? क्या न्यायालय के आदेश के बाद ठोस कानूनी कदम उठाए जाएंगे या कार्रवाई औपचारिकता बनकर रह जाएगी?

कोर्ट ने माना संज्ञेय अपराध, दर्ज हुई एफआईआर

न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि कुमार महोबिया ने दस्तावेजों के अवलोकन के बाद प्रथमदृष्टया संज्ञेय अपराध माना। कोर्ट ने धारा 156(3) दं.प्र.सं. के तहत थाना सुपेला को धारा 120बी, 406, 416, 420, 467, 468, 471, 34 भादवि में अपराध दर्ज कर जांच के निर्देश दिए। कोर्ट ने ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संज्ञेय अपराध की सूचना पर FIR दर्ज करना आज्ञापक है।

दुर्ग नगर निगम में बजरंग दल का हंगामा, आयुक्त के निज सहायक की हुई पिटाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग नगर निगम परिसर में शुक्रवार को बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने आयुक्त के निज सहायक गौतम साहू की निगम परिसर में ही पकड़कर पिटाई कर दी। आरोप है कि गौतम साहू ने मोबाइल चैटिंग के दौरान निगम की महिला कर्मी को हिंदू देवी-देवताओं को लेकर अभद्र और गंदी गाली दी थी।

चैटिंग से भड़का आक्रोश

जानकारी के अनुसार गौतम साहू द्वारा महिला कर्मी से चैटिंग के दौरान हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। इसकी जानकारी लगते ही हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। बजरंग दल दुर्ग के कार्यकर्ता नगर निगम पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। कार्यकर्ताओं ने गौतम साहू को निगम परिसर में ही घेरकर पीटा।

पुलिस ने लिया हिरासत में

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गौतम साहू को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि युवक से पूछताछ जारी है। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है। घटना के बाद नगर निगम परिसर में तनाव का माहौल है। हिंदू संगठनों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डोंगरगढ़ में अवैध शराब बेचते आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़।पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरोपी भूपेंद्र सिन्हा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 9 बोतल किंग फिशर बीयर और 4 बोतल इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की समेत कुल 5 .850 बल्क लीटर शराब व 500 रुपये बिक्री रकम जब्त की है। जब्त शराब की कीमत करीब 5500 रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत 7 मई को मुखबिर से सूचना मिली कि भूपेंद्र सिन्हा निवासी बधियाटोला, रतबहिनी माता मंदिर के पास भारी मात्रा में शराब रखकर ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

तलाशी में आरोपी के पास से 9 बोतल किंग फिशर स्ट्रांग बीयर 5 .850 बल्क लीटर, कीमत 1800 रुपये और 4 बोतल इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की 3 .000 बल्क लीटर, कीमत 3200 रुपये मिली। साथ ही शराब बिक्री के 500 रुपये भी जब्त किए गए। आरोपी भूपेंद्र सिन्हा, 51 वर्ष, निवासी बधियाटोला डोंगरगढ़ के खिलाफ थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 235/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया गया। एएसपी कीर्तन राठौर और एसडीओपी केशरी नंदन नायक के मार्गदर्शन में डोंगरगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री रोकने अभियान लगातार जारी है।

शुभेंदु अधिकारी बने पं. बंगाल के नए मुख्यमंत्री, पांच मंत्रियों ने भी ली शपथ

नई दृष्टिबिंदु / कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 9 मई 2026 का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आजादी के बाद पहली बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन गई और शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी पीएम मोदी के पास पहुंचे और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष समेत चार विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।

ममता को दो बार दी मात

56 वर्षीय सुवेंदु अधिकारी ने इस बार भवानीपुर सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया है। इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने नंदीग्राम सीट से ममता बनर्जी को शिकस्त दी थी। वे नंदीग्राम से लगातार दूसरी बार विधायक चुने गए हैं।

भाजपा को मिला प्रचंड बहुमत

विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें

जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। बहुमत मिलने के बाद कोलकाता में विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से सुवेंदु अधिकारी को नेता चुना गया।

सुवेंदु अधिकारी लंबे समय तक तृणमूल कांग्रेस में रहे और ममता सरकार में मंत्री भी रहे। 2020 में वे भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा ने चुनाव में उन्हें बड़ा चेहरा बनाकर पेश किया था। शपथ ग्रहण की तैयारियां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शुरू हो गई हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं।

रायगढ़ में आईपीएल सट्टे के 3 ठिकानों पर पुलिस की रेड

5 खाईवाल गिरफ्तार, 2 .70 लाख नकद जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में ऑपरेशन अंकुश के तहत रायगढ़ पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना साइबर और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के तीन अलग-अलग ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड कर पांच सक्रिय सट्टा खाईवालों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 2 लाख 70 हजार रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन, 6 महंगे मोबाइल समेत करीब 4.70 लाख की संपत्ति जब्त की गई।

पहली रेड कोतरारोड बायपास स्थित आर.एस. ट्रेडिंग कंपनी के ऑफिस में हुई। पुलिस ने साकेत सिंघानिया को मोबाइल से आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाते पकड़ा। उसके मोबाइल में बेटिंग आईडी, व्हाट्सएप चैट, यूपीआई बारकोड और लेनदेन के डिजिटल साक्ष्य मिले। आरोपी ने साथियों के साथ नेटवर्क चलाना कबूला। पुलिस ने विवो मोबाइल और आईफोन-13 जब्त कर आरोपी को रिमांड पर भेजा।

पीएनवी के पास राशन दुकान में सट्टा, महिला समेत तीन गिरफ्तार

दूसरी कार्रवाई पुराना पंजाब नेशनल बैंक के पास राशन दुकान में हुई। पुलिस ने रितेश डालमिया को सट्टा खिलाते रंगे हाथ पकड़ा। पूछताछ में उसने पिंटू हलवाई, रौनक मोदनवाल और प्रियंका हलवाई के साथ नेटवर्क चलाने की बात बताई। मेमोरेंडम पर चांदमारी में दबिश देकर रौनक मोदनवाल और उसकी पत्नी प्रियंका हलवाई को पकड़ा गया। आरोपियों से 2.69 लाख नकद, नोट गिनने की मशीन, आईफोन, विवो और सैमसंग मोबाइल बरामद हुए।

किराए के मकान से चल रहा था रैकेट

तीसरी रेड संजय मैदान रामभांठा में किराए के मकान में हुई। पुलिस ने प्रदीप कुमार पाण्डेय को पकड़ा। उसके मोबाइल में क्रिकेट गुरु एप, फोन-पे ट्रांजेक्शन और सट्टे के लेनदेन के स्क्रीनशॉट मिले। आरोपी ने पिंटू हलवाई, रौनक हलवाई और प्रियंका हलवाई के साथ आईपीएल पर सट्टा खिलाना कबूला। मोबाइल से 89,950 रुपये के डिजिटल लेनदेन के सबूत मिले। आरोपी पिंटू हलवाई फरार है, जिसे तीनों मामलों में आरोपी बनाया गया है।

एसएसपी का सख्त संदेश

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा, ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा युवाओं और समाज को आर्थिक व सामाजिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे संगठित अपराधों पर तकनीकी और जमीनी स्तर पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। जो भी इस अवैध कारोबार में संलिप्त मिलेगा, उस पर सख्त कार्रवाई होगी।

गिरफ्तार आरोपी में प्रदीप कुमार पाण्डेय, 52 वर्ष, संजय मैदान रामभांठा , रितेश डालमिया, 28 वर्ष, बीड़पारा, प्रियंका हलवाई, 37 वर्ष, चांदमारी, रौनक मोदनवाल, 19 वर्ष, चांदमारी, साकेत सिंघानिया, 37 वर्ष, गजानंदपुरम कोतरारोड शामिल हैं।

कुल जप्ती : 2.70 लाख नकद, नोट गिनने की मशीन, 2 आईफोन, 1 वनप्लस, 2 विवो, 1 सैमसंग मोबाइल। कार्रवाई सीएसपी मयंक मिश्रा, डीएसपी साइबर उन्नति ठाकुर के नेतृत्व में की गई। टीम में निरीक्षक सुखनंदन पटेल, विजय चेलक सहित साइबर और कोतवाली स्टाफ शामिल रहा। सभी आरोपियों पर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना : लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए निगम आयुक्त ने ली बैंकर्स की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

15 दिवस के भीतर लंबित प्रकरणों के निराकरण का आश्वासन

नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा नगर निगम कार्यालय में शहर के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों एवं संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र शासन की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

बैठक के दौरान आयुक्त श्री अग्रवाल ने बैंकर्स से कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों, रेहड़ी-पटरी एवं फुटपाथ व्यवसाय करने वाले हितग्राहियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। ऐसे में पात्र हितग्राहियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए तथा सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए।

बैठक में बैंक अधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया कि लंबित प्रकरणों का निराकरण आगामी 15 दिवस के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। आयुक्त ने सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि हितग्राहियों को बैंक स्तर पर किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा दस्तावेजों की कमी होने पर उन्हें उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाए।

बैठक में निगम एवं बैंक के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु निगम के 7 कमचारियों की नियुक्ति किए जाने की जानकारी भी अधिकारियो द्वारा दी गई। ये कमचारी बैंक शाखाओं के साथ नियमित संपर्क बनाकर लंबित प्रकरणों की जानकारी संकलित करेंगे तथा हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण में सहयोग प्रदान करेंगे।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है, इसलिए सभी विभाग एवं बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिल सके।

खास खबर

शहर की सड़कों की सफाई में आई रफ्तार, आधुनिक मशीन से घंटों में हो रहा कार्य

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में अब नगर निगम द्वारा आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सड़क सफाई कार्य में उल्लेखनीय तेजी लाई गई है। शहर क्षेत्र के अंतर्गत निगम प्रशासन द्वारा रोड स्वीपिंग (मशीन आधारित सफाई) कार्य को ट्रैफिक कम होने के पश्चात रात्रिकालीन समय में संचालित किया जा रहा है। इस पहल से न केवल सफाई कार्य में गति आई है, बल्कि दिन के समय यातायात भी प्रभावित नहीं हो रहा है।

उक्त आधुनिक मशीन की विशेषता यह है कि यह लगभग 15 किलोमीटर लंबी एवं 10 फीट चौड़ा क्षेत्रफल को मात्र 8 घंटे में साफ करने की क्षमता रखती है। इससे पहले यही कार्य मैन्युअल रूप से करने में लगभग एक सप्ताह का समय लगता था।

जानकारी के मुताबिक मशीन के माध्यम से सफाई कार्य में न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। उन्होंने बताया कि निगम का लक्ष्य है कि शहर की सभी प्रमुख सड़कों को नियमित रूप से मशीन के माध्यम से साफ कर नागरिकों को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण उपलब्ध कराया जाए। नगर निगम प्रशासन द्वारा किए जा रहे इस नवाचार से शहरवासियों को साफ-सुथरी सड़कें मिलने के साथ ही स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

बीएसपी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 11 मई से, 19 खेलों में पंजीयन 7 मई से शुरू

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा हर साल की तरह इस बार भी स्कूली बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 11 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा। शिविर के लिए पंजीयन 7 मई से 15 मई तक सभी संबंधित ग्राउंड और स्टेडियम में किया जाएगा।

इस शिविर में एथलेटिक्स, बॉल बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, हैंडबॉल, कराटे, जूडो, टेनिस, वॉलीबॉल, कबड्डी, पावर लिफ्टिंग, सायकल पोलो/साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, कुश्ती तथा खो-खो सहित 19 खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुभवी कोच खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करेंगे।

कहां होंगे शिविर

एथलेटिक्सः जयंती स्टेडियम एवं आईटीआई-खुर्सीपार, बॉल बैडमिंटनः बॉल बैडमिंटन ग्राउंड, सेक्टर-4, बास्केटबॉलः बास्केटबॉल कोर्ट, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1, बॉक्सिंगः इस्पात क्लब सेक्टर-2, इस्पात क्लब सेक्टर-1, इंडोर स्टेडियम, मरोदा इस्पात क्लब, शतरंजः भिलाई विद्यालय सेक्टर-2, क्रिकेटः सेक्टर-1 इस्पात क्लब एवं बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, इंदिरा प्लेस, फुटबॉलः पंत स्टेडियम एवं हॉस्पिटल सेक्टर-09 ग्राउंड, हैंडबॉलः ईएमएएस, सेक्टर-10, कराटेः सेक्टर-5 इस्पात क्लब, जूडोः जुडो हॉल सेक्टर-4, टेनिसः बीएसपी टेनिस कॉम्प्लेक्स, सिविक सेंटर, वॉलीबॉलः पंत स्टेडियम, इस्पात क्लब-खुर्सीपार, इस्पात क्लब सेक्टर-5, सीएसआर ऑफिस परिसर, कबड्डीः पंत स्टेडियम सेक्टर-1, पावर लिफ्टिंगः सेक्टर-6 पावर जिम, सायकल पोलो/साइकिलिंगः दिव्यांग ग्राउंड भिलाई निवास के सामने, जिम्नास्टिकः खेल परिसर, सेक्टर-4, कुश्तीः बीएसपी अखाड़ा, सेक्टर-3 और खो-खोः खो-खो खेल मैदान सेक्टर-4 में आयोजित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा निःशुल्क शिविर

हर साल इस शिविर में बीएसपी और गैर बीएसपी स्कूलों के करीब 3000 छात्र-छात्राएं भाग लेते हैं। बीएसपी द्वारा शिविर की पूरी व्यवस्था की जाती है। यह छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर है। इसका उद्देश्य बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।

रात 12 से 4 बजे तक दुर्ग पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान, 6 चौक-चौराहों पर जांच

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रात्रिकालीन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए दुर्ग पुलिस ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात विशेष चेकिंग अभियान चलाया। रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक जिले के 6 प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस टीमों ने सघन जांच की। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी और खुले में शराब पीने वाले 13 लोगों पर धारा 36(च) पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

इन जगहों पर हुई चेकिंग

पुलिस ने अंजोरा चौक, मुर्गा चौक भिलाई भट्ठी, जेल तिराहा पद्मनाभपुर, गदा चौक सुपेला, बोरदा पुलिया जामुल और उरला चौक मोहन नगर में नाकेबंदी कर जांच की। थाना पुलिस, यातायात पुलिस और रक्षित केंद्र दुर्ग के संयुक्त बल ने दोपहिया-चारपहिया वाहनों की डिक्की चेक की और संदिग्धों की तलाशी ली।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों, मादक पदार्थों के परिवहन, धारदार हथियार रखने वालों और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों पर विशेष निगरानी रखी गई। देर रात सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से एकत्रित लोगों की भी जांच की गई।

थानावार की गई कार्रवाई

अड्डेबाजी और हुड़दंग करते मिले कुल 13 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हुई। इसमें थाना भिलाई नगर में 8, नेवई में 3 और वैशाली नगर में 2 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की समझाइश दी।

पुलिस ने कहा कि अपराध नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा के लिए इस तरह के विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। देर रात सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक रूप से एकत्रित न हों। संदिग्ध गतिविधि या असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अपराध और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

20 से 80 फीसदी ब्याज वसूलने वाली महिला सूदखोर गिरफ्तार

अवैध सूदखोरी कर लोगों को धमकाने वाली महिला आरोपी मुस्कान उर्फ तब्बसुम शेख को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 20 से 80 फीसदी तक ब्याज वसूलती थी और मूल रकम वापस मिलने के बाद भी दस्तावेज नहीं लौटाती थी। दस्तावेज मांगने पर झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकी देती थी। **फरीद नगर की महिला ने की थी शिकायत :** प्राथिर्या रशीदा बानो निवासी फरीद नगर, सुपेला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया कि मुस्कान उर्फ तब्बसुम शेख लोगों को ब्याज पर रकम देकर 20 से 80 फीसदी तक वसूली करती थी। मूल रकम लौटाने के बाद भी उधारी के एवज में रखे दस्तावेज वापस नहीं करती थी। मांगने पर गाली-गलौच कर झूठे प्रकरण में फंसाने और जान से मारने की धमकी देती थी। प्रार्थिया के परिचित ललिता हियाल, स्वाधिका रावत और अन्य लोगों को भी इसी तरह डरा-धमकाकर प्रताड़ित किया जा रहा था। **कर्जा अधिनियम में केस दर्ज :** रिपोर्ट पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 634/2026 धारा 296, 308(2) बीएनएस एवं कर्जा अधिनियम की धारा 04 के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी मुस्कान उर्फ तब्बसुम शेख, 43 वर्ष, निवासी सुपेला को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया। **दस्तावेज जब्त :** पुलिस ने आरोपी के कब्जे से उधारी लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और कागजात जब्त किए हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय यादव, उप निरीक्षक घनेश्वर साहू, आरक्षक सूर्यप्रताप सिंह, प्रदीप सिंह और मिथलेश साहू की भूमिका रही।

पावर हाउस में सड़क बाधित कर रहे दुकानदारों पर कार्रवाई, वसूला जुर्माना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई ने पावर हाउस क्षेत्र में सड़क बाधित कर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों और फल ठेला संचालकों पर कार्रवाई की है। गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों से कुल 4400 रुपये का अथर्दड वसूला गया। जोन-03 मदर टेरेसा नगर के तहत निगम की टीम ने पावर हाउस क्षेत्र में अभियान चलाया। सड़क एवं आसपास गंदगी फैलाने वालों, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों तथा कबाड़ी व्यवसाय से गंदगी फैलाने वालों पर चालानी कार्रवाई की गई।

निगम अधिकारियों ने संबंधित दुकानदारों को समझाइश दी और चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा सड़क बाधा या गंदगी फैलाते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। पावर हाउस क्षेत्र शहर का व्यस्ततम इलाका है। यहां सड़क पर अतिक्रमण और गंदगी से आम नागरिकों को परेशानी होती है। नगर निगम द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और स्वच्छता बेहतर करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, तोड़फोड़ प्रभारी हरिओम गुप्ता सहित निगम की टीम मौजूद रही।

ग्राम रोजगार दिवस : दुर्ग जिले में 37 हजार से ज्यादा श्रमिकों को मिला काम

लक्ष्य से अधिक मानव दिवस सृजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 'ग्राम रोजगार दिवस' का भव्य आयोजन हुआ। चावल महोत्सव और आवास दिवस के साथ संयुक्त रूप से चले इस महाअभियान में रोजगार, आवास और जल संरक्षण योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई और समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

100.59% मानव दिवस सृजन का रिकॉर्ड

जिला पंचायत सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि मनरेगा के तहत जिले में मांग आधारित रोजगार लगातार दिया जा रहा है। वर्तमान में 866 प्रगतिरत निर्माण कार्यों में कुल 37,146 मजदूर कार्यरत हैं। इनमें धमधा में 15,872, पाटन में 11,390 और दुर्ग विकासखंड में 9,884 श्रमिक काम कर रहे हैं। वर्ष 2025-26 के लिए मिले 18,48,633 मानव दिवस के लक्ष्य के विरुद्ध 18,59,532 मानव दिवस सृजित कर 100.59% की उपलब्धि हासिल की गई।

पीएम आवास और जल संरक्षण पर जोर

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले में 7,70,009 मानव दिवस सृजित किए गए हैं। स्वीकृत आवासों को 90 दिनों में पूरा करने के लिए विशेष कायर्योजना बनाई गई है। हितग्राहियों को बैंक खातों में भेजी गई राशि की जानकारी भी दी गई।

मोर गांव-मोर पानी और नवा तरिया-आय के जरिया अभियान के तहत जिले में 130 अमृत सरोवर पूरे हो चुके हैं। इनमें धमधा में 50, दुर्ग में 36 और पाटन में 37 सरोवर शामिल हैं। 15 नए तालाब प्रस्तावित हैं और आजीविका डबरी के 30 स्वीकृत कार्यों पर काम जारी है।

महिलाओं को आजीविका से जोड़ा

महाअभियान में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को निर्माण सामग्री आपूर्ति जैसे कार्यों से जोड़ा गया। पीएम आवासों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दिया गया और लंबित जियो-टैगिंग कार्य मौके पर पूरे किए गए। निरीक्षण में पुरई, धनोरा, बिरोदा, घोटवानी, दनिया, करगाडीह और खमरिया में बड़ी संख्या में श्रमिक काम करते मिले। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने ग्रामीणों को उनके अधिकारों और योजनाओं के लाभ के प्रति जागरूक किया।

सेल-बीएसपी के एचआर-एलएंडडी केंद्र में अत्याधुनिक एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल लैब का महापात्रा ने किया उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास (एचआर-एलएंडडी) केंद्र में 6 मई को अत्याधुनिक एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल लैब का उद्घाटन किया गया। यह लैब कार्यबल की तकनीकी दक्षता, कौशल विकास और प्रशिक्षण ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में अहम कदम है।

लैब का उद्घाटन बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, महाप्रबंधक प्रभारी (एचआर-एलएंडडी) संजीव कुमार श्रीवास्तव सहित मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

आधुनिक उपकरणों से लैस

नई लैब आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण प्रणालियों और उपकरणों से सुसज्जित है। इनमें एलटी सर्किट ब्रेकर, थाइरिस्टर टेस्टर, मोटर स्टार्टर पैनल, एसी ड्राइव पैनल, टेल्कर पैनल, पीएलसी पैनल, डायोड टेस्टर और स्टार-डेल्टा स्टार्टर जैसी उन्नत प्रणालियां शामिल हैं। यहां इलेक्ट्रिशियन, तकनीशियन और अभियंताओं को संयंत्र की जटिल औद्योगिक प्रणालियों से जुड़ी उन्नत विद्युत तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा।

परिचालन दक्षता बढ़ेगी

इस परियोजना की परिकल्पना कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार के मार्गदर्शन में की गई। लैब के विकास में नगर सेवा विभाग का भी सहयोग रहा। अधिकारियों ने बताया कि यह लैब सैद्धांतिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक दक्षता के बीच की कमी को पूरा करेगी। उपकरण-आधारित प्रशिक्षण से कर्मियों की तकनीकी क्षमता मजबूत होगी। इससे परिचालन सुरक्षा बढ़ेगी, उपकरणों का डाउनटाइम घटेगा और दीर्घकालिक परिचालन दक्षता में सुधार होगा।

रिसाली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने पार्षदों संग विधायक ललित चंद्राकर से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रिसाली नगर पालिका निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू के नेतृत्व में निगम की पार्षद बहनों ने दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चंद्राकर से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की।

इस अवसर पर शैलेन्द्र साहू एवं सभी पार्षदगणों ने पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय पर विधायक ललित चंद्राकर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

विधायक ललित चंद्राकर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व, गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति और लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है। बंगाल की जनता ने हिंसा और तुष्टिकरण को नकार कर विकास और राष्ट्रवाद को चुना है। यह ह्रासबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र की जीत है।

उन्होंने कहा कि असम में भाजपा ने पुनः सेवा का अवसर प्राप्त कर पूर्वोत्तर के विकास को नई गति दी है, वहीं पुडुचेरी में जनता ने डबल इंजन सरकार पर भरोसा जताया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी भाजपा कार्यकर्ता इसी ऊर्जा के साथ काम कर रहे हैं और आने वाले समय में यहां भी विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती रमा साहू, माया यादव, सरिका साहू सरिता देवांगन, ममता सिन्हा, शीला नारखडे सविता धवस उपस्थित रहे।

सल्फी को मिलेगी नई पहचान : बस्तर के हर्षवर्धन का अनोखा प्रयोग, इनोवेशन महाकुंभ में मिला सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जगदलपुर

बस्तर की पारंपरिक पेय सल्फी को अब स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक के रूप में नई पहचान मिलने जा रही है। युवा नवाचारक हर्षवर्धन बाजपेयी के अनोखे प्रयोग से सल्फी की गुणवत्ता और सेल्फ लाइफ बढ़ाने में सफलता मिली है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में हुए "इनोवेशन महाकुंभ 1.0" में उनके इस इनोवेशन को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फरमेंटेशन रोकने में मिली सफलता

"बस्तर इंडिजीनियस नेक्टर एग्रीकल्चर्स" के जरिए हर्षवर्धन सल्फी की सेल्फ लाइफ बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। सल्फी का रस निकालने के कुछ घंटों बाद ही प्राकृतिक रूप से किण्वित होकर हल्का मादक बन जाता है। इसी वजह से इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना चुनौती थी। हर्षवर्धन ने प्रयोगों से फरमेंटेशन प्रक्रिया को नियंत्रित करने में सफलता पाई है। इससे सल्फी का प्राकृतिक स्वाद और पोषक गुण अधिक समय तक सुरक्षित रह सकेंगे।

बस्तर की संस्कृति से जुड़ी सल्फी

सल्फी बस्तर की आदिवासी संस्कृति का अहम हिस्सा है। इसे "बस्तर बीयर" भी कहा जाता है। यह कैरियोटा यूरेन्स नामक ताड़ से निकलने वाला

मीठा रस है। ताजा सल्फी नारियल पानी जैसी मीठी और ताजगीभरी होती है, लेकिन कुछ घंटों बाद प्राकृतिक खमीर से हल्की नशीली हो जाती है। विवाह और पारंपरिक उत्सवों में इसे विशेष रूप से परोसा जाता है। कई ग्रामीण परिवारों की आजीविका भी सल्फी पर टिकी है। इसे पेट संबंधी समस्याओं में लाभकारी भी माना जाता है।

जीआई टैग दिलाने का लक्ष्य

हर्षवर्धन का सपना है कि सल्फी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक प्राकृतिक पेय के रूप में पहचान मिले। वे बस्तर की इस पारंपरिक पेय के लिए जीआई टैग दिलाने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि वैज्ञानिक तरीके से गुणवत्ता संरक्षित करने पर सल्फी बस्तर के आदिवासी उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का माध्यम बन सकती है।

खास खबर

बस्तर में बैंकिंग क्रांति - 31 नई शाखाएं खोल रही हैं नक्सलमुक्त बस्तर में समृद्धि के द्वार

सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर

कभी बारूद की गंध और बंदूक की आवाज के लिए पहचाने जाने वाले बस्तर की तस्वीर अब बदल रही है। आज बस्तर की पहचान नक्सलवाद नहीं, बल्कि विकास, विश्वास और आत्मनिर्भरता बन रही है। इस बदलाव की सबसे मुखर गवाही दे रहा है बस्तर संभाग में तेजी से फैलता बैंकिंग नेटवर्क। पिछले ढाई वर्षों में 31 नई बैंक शाखाओं का खुलना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि बस्तर के सामाजिक-आर्थिक कायाकल्प की इबारत है।

दूरी घटी, भरोसा बढ़ा

एक दौर था जब बस्तर के वनांचलों में बैंकिंग सुविधा दूर की कौड़ी थी। ग्रामीणों को पेंशन निकालने या खाता खुलवाने के लिए पूरा दिन खर्च कर जिला मुख्यालय तक जाना पड़ता था। नकदी आधारित अर्थव्यवस्था और बिचौलियों का दबदबा था। आज तर्रेम, जगरगुंडा, चिंतलनार, किस्टाराम, पामेड़ जैसे कभी अतिसंवेदनशील रहे इलाकों में बैंक शाखाएं खुल चुकी हैं। यह केवल ईंट-गारे की इमारतें नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच बढ़ते विश्वास के स्तंभ हैं। जब ब्लॉक और पंचायत स्तर पर ही बैंकिंग सुविधा मिलती है, तो यह संदेश जाता है कि राज्य अब दूरस्थ इलाके के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच चुका है।

डीबीटी से बिचौलिए बेदखल, सीधा लाभ

बस्तर की बड़ी आबादी आदिवासी समुदाय की है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार से प्रधानमंत्री जनधन योजना, किसान सम्मान निधि, तेंदूपत्ता बोनस, वन धन योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंच रहा है। डीबीटी ने बिचौलियों की भूमिका खत्म कर पारदर्शिता को संस्थागत कर दिया है। महिला स्व-सहायता समूहों को मिलने वाला ऋण अब घरेलू उद्यमों को पंख दे रहा है। यह आर्थिक सशक्तिकरण का वह चरण है जहां सहायता, अधिकार में बदल रही है।

नकदी से डिजिटल की ओर बढ़ता बस्तर

31 नई शाखाओं ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा दी है। छोटे व्यापारी, किसान और युवा अब औपचारिक कर्ज व्यवस्था से जुड़ रहे हैं। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, माइक्रो एटीएम और आधार आधारित भुगतान गांवों की दिनचर्या का हिस्सा बन रहे हैं। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, मनोवैज्ञानिक भी है। नकदी पर निर्भर समाज जब डिजिटल लेनदेन अपनाता है, तो वह राष्ट्रीय आर्थिक धारा से जुड़ जाता है। इससे बाजार बढ़ता है, रोजगार बनते हैं और आत्मनिर्भरता की नींव मजबूत होती है।

युवा बन रहे बदलाव के वाहक

बैंकिंग विस्तार का सबसे बड़ा लाभार्थी बस्तर का युवा है। वित्तीय सहायता मिलने से वे अब कृषि आधारित उद्योग, लघु व्यवसाय और स्टार्टअप की ओर बढ़ रहे हैं। ग्राहक सेवा केंद्र और बैंक मित्र के रूप में स्थानीय युवाओं की भागीदारी यह बताती है कि विकास अब बाहर से थोपा नहीं जा रहा, बल्कि भीतर से उपज रहा है। यह नया बस्तर है जहां बंदूक उठाने वाले हाथ अब उद्यम की बागडोर संभाल रहे हैं।

सुरक्षा से समृद्धि का मॉडल

बस्तर का उदाहरण देश के लिए एक मॉडल है। यह साबित करता है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी शांति केवल पुलिस कार्रवाई से नहीं, बल्कि सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और बैंकिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से आती है। जब नागरिक को लगता है कि राज्य उसके दरवाजे पर खड़ा है, तो वह बंदूक के बजाय विकास पर भरोसा करता है। 31 बैंक शाखाएं इसी भरोसे का प्रतीक हैं।

नक्सलमुक्त बस्तर अब केवल सुरक्षा के लिहाज से नहीं, संभावनाओं के लिहाज से देखा जा रहा है। बैंकिंग क्रांति ने वहां अर्थव्यवस्था को संगठित किया है, समाज को जोड़ा है और भविष्य को सुरक्षित किया है। यह बदलाव बताता है कि बंदूक की जगह जब बहीखाता ले लेता है, तो गोलियों की आवाज विकास की गूंज में बदल जाती है। यही नया बस्तर है - विकास, विश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता बस्तर।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से लाखों उपभोक्ताओं को मिलेगी बड़ी राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम जनता को राहत पहुंचाने और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 लागू की गई है। यह योजना घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल के भुगतान में राहत देने के साथ-साथ आसान समाधान उपलब्ध करा रही है।

योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल का भुगतान एकमुश्त अथवा आसान किस्तों में करने की सुविधा दी गई है। विशेष बात यह है कि 31 मार्च 2023 तक के बकाया बिजली बिलों पर 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे लाखों परिवारों को आर्थिक राहत मिल रही है।

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी उपभोक्ता आर्थिक कारणों से बिजली सुविधा से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ योजना को सरल और सुलभ बनाया गया है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं का पंजीयन अनिवार्य रखा गया है।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पंजीयन की व्यवस्था विभिन्न माध्यमों से उपलब्ध कराई गई है। उपभोक्ता मोर बिजली एप, CSPDCL की

आधिकारिक वेबसाइट, नजदीकी बिजली कार्यालय तथा विशेष पंजीयन शिविरों के माध्यम से आसानी से अपना पंजीयन करा सकते हैं। यह योजना 12 मार्च 2026 से लागू है तथा योजना का लाभ लेने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। अब तक लाखों उपभोक्ता योजना से जुड़ चुके हैं और बड़ी संख्या में प्रकरणों का निराकरण कर उपभोक्ताओं को करोड़ों रुपए की राहत प्रदान की जा चुकी है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक प्रदेश के 07 लाख 24 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराया है। 1 लाख 63 हजार प्रकरणों का निराकरण कर कुल 06 करोड़ 22 लाख रूपये से अधिक की राहत प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और आम नागरिकों को राहत पहुंचाने वाली योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 इसी जनहितकारी सोच का परिणाम है, जो लाखों उपभोक्ताओं के जीवन में राहत और विश्वास लेकर आई है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सड़क अधोसंरचना को मिली मजबूती

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कांसाबेल से बगीचा मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, जिससे जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

लगभग 29 करोड़ 08 लाख 06 हजार रुपए की लागत से 39 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग का उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसके अंतर्गत सड़क मजबूतीकरण के साथ आवश्यक पुल-पुलियों का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा।

कांसाबेल-बगीचा मार्ग क्षेत्र का अत्यंत व्यस्त संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, विद्यार्थी और व्यापारी आवागमन करते हैं। समय के साथ सड़क की स्थिति प्रभावित होने से लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी और परिवहन व्यवस्था अधिक सुदृढ़ बनेगी।

इस परियोजना से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्रा समय में कमी आएगी तथा व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अधोसंरचनात्मक सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

प्रशासकीय स्वीकृति के बाद तत्परता से तकनीकी स्वीकृति और टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यारंभ करें - अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने विभागीय मुख्य अभियंताओं की बैठक लेकर सड़कों एवं पुल-पुलियों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों को कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद तत्परता से तकनीकी स्वीकृति और टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यारंभ करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में कहा कि सभी मुख्य अभियंता कार्यालय कॉपीरेट दफ्तरों की तरह पूरी क्षमता और दक्षता से काम करें। उन्होंने विभाग की कार्य संस्कृति में बदलाव लाते हुए फील्ड से लेकर कार्यालय तक तेज गति और जवाबदेही से काम करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने परफॉर्मेंस गारंटी की सड़कों की नियमित मॉनिटरिंग करने और इनके खराब होने पर संबंधित ठेकेदारों से त्वरित मरम्मत कराने को कहा, ताकि नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि परफॉर्मेंस गारंटी वाली सड़कों की स्थिति खराब पाए जाने पर अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने ऐसी सड़कों का तत्काल ठेकेदारों से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग के मुख्य अभियंता को भारत सरकार के साथ लगातार समन्वय कर स्वीकृतियों एवं कार्यों में तेजी लाने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी मुख्य अभियंताओं को प्राथमिकता वाले कार्यों की खुद मॉनिटरिंग करने को कहा। उन्होंने फील्ड पर निकलकर प्राथमिकता वाली सड़कों के कार्यों की प्रगति का हर सप्ताह निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण और चौड़ीकरण के लिए कलेक्टरों के साथ समन्वय कर भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने ब्लैक-स्पॉट्स दूर करने के साथ ही सड़कों व पुलों के निर्माण के दौरान सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने निर्माण कार्यों और निर्माण सामग्रियों में गुणवत्ता पर जोर देते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने को कहा। उन्होंने कहा कि बहुत दिनों तक लंबित काम विभाग की छवि खराब करता है। इस तरह की स्थिति न बने। हर हाल में समय-सीमा में काम पूर्ण करने का प्रयास करें। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, अपर सचिव एस.एन. श्रीवास्तव, सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं के साथ ही सेतु संभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग के मुख्य अभियंता भी बैठक में मौजूद थे।

हज 2026 : राज्य के 292 हजयात्री नागपुर से मदीना शरीफ के लिए हुए रवाना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हज 2026 के अंतर्गत नागपुर अंतरराष्ट्रीय विमानतल से आकाशा एयरलाइंस की फ्लाइट द्वारा अब तक राज्य के 292 हजयात्रियों को मदीना शरीफ के लिए रवाना किया जा चुका है। हाजियों की रवानगी के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा नागपुर स्थित हज हाउस में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। हज हाउस में हाजियों की रिपोर्टिंग कराई गई तथा हज यात्रा से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों का वितरण छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग द्वारा किया गया। इसके साथ ही हाजियों के लगेज का चेक-इन भी व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन

मिर्जा एजाज बेग एवं सदस्य मौलाना हसन अब्बास तथा मौलाना महताब ने विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया। एयरपोर्ट पर भी हज यात्रियों के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं राज्य हज कमेटी द्वारा उपलब्ध कराई गईं, जिससे यात्रियों का प्रस्थान सुगमता एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

नागपुर एंबारकेशन प्वाइंट से हज यात्रियों के प्रस्थान की समस्त व्यवस्थाओं का संचालन छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज बेग के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सफलतापूर्वक किया गया। मिर्जा एजाज बेग ने जानकारी दी कि राज्य के हजयात्री मदीना शरीफ में आठ दिन प्रवास के बाद मक्का शरीफ के लिए भी रवाना हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हज यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि करते हुए भारतीय हज मिशन द्वारा मदीना शरीफ से मक्का शरीफ तक बुलेट ट्रेन से यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे यात्रियों की यात्रा अधिक आरामदायक एवं सुविधाजनक हो गई है।

बुखारा और समरकंद के विद्यार्थी इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में करेंगे पढ़ाई और अनुसंधान

उज्बेक अध्ययन दल ने लिया कृषि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व अनुसंधान अधोसंरचनाओं और सुविधाओं का जायजा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत एवं उजबेकिस्तान के मध्य कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए उजबेकिस्तान से आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में उपलब्ध शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार अधोसंरचनाओं, सुविधाओं तथा गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान अध्ययन दल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की अनुसंधान प्रयोगशालाओं, कृषि अनुसंधान परियोजनाओं, स्टार्टअप एवं इन्क्यूबेशन सुविधाओं तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं नवाचार संरचनाओं का अवलोकन भी किया। इस प्रतिनिधिमंडल में बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय सहयोग के उप-कुलपति प्रो. अब्रोर जोरायेव तुरोबोविच तथा समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी मेडिसीन लाइवस्टॉक एवं बायोटेक्नोलॉजीस से अनुसंधान एवं नवाचार के उप-कुलपति प्रो. तयलाकोव तोलिब इसाकुलोविच सहित अन्य वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं वैज्ञानिक शामिल हैं। इस अवसर पर भारत एवं उज्बेकिस्तान के मध्य द्विपक्षीय शैक्षणिक, अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग सुदृढ़ीकरण विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

कृषि महाविद्यालय रायपुर के सेमिनार हॉल में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

के दौरान उजबेकिस्तान के बुखारा एवं समरकंद विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के साथ छात्र एवं संकाय विनिमय के साथ ही अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों एवं कृषि उद्यमिता विकास के संबंध में सार्थक विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान दोनों देशों के मध्य शैक्षणिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के साथ-साथ नवीन अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में मिल-जुल कर कार्य करने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक शिक्षण द्वारा विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक अधोसंरचनाओं, शिक्षण सुविधाओं, संचालित पाठ्यक्रमों, संकाय सदस्यों, शैक्षणिक गतिविधियों आदि के संबंध में जानकारी दी गई। इसके साथ ही संचालक अनुसंधान द्वारा विश्वविद्यालय में उपलब्ध अनुसंधान अधोसंरचनाओं, अनुसंधान सुविधाओं, अनुसंधान योजना एवं गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

औषधीय एवं सुगंधित पौधों के उत्पादन, कृषि व्यवसाय एवं उद्यमिता, जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन आदि विषयों पर भी विचार मंथन किया गया तथा आपसी सहयोग के क्षेत्रों की पहचान की गई। विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा विभागीय गतिविधियों प्रस्तुत की गई। बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय सहयोग के उप-कुलपति प्रो. अब्रोर जोरायेव तुरोबोविच द्वारा उनके विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अनुसंधान अधोसंरचनाओं, सुविधाओं तथा गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई और कृषि विश्वविद्यालय के साथ द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी मेडिसीन लाइवस्टॉक एवं बायोटेक्नोलॉजीस से अनुसंधान एवं नवाचार के उप-कुलपति प्रो. तयलाकोव तोलिब इसाकुलोविच ने उनके विश्वविद्यालय के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और द्विपक्षीय सहयोग की रूप-रेखा बताई। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. हुलास पाटक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी की रूप-रेखा प्रतिपादित की। कृषि महाविद्यालय रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उजबेकिस्तान के बुखारा एवं समरकंद विश्वविद्यालयों से आए अध्ययन दल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय स्थित विभिन्न अधोसंरचनाओं, सुविधाओं, अनुसंधान योजनाओं एवं गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में लगाई गई औषधीय एवं सगंध फसलों का अवलोकन किया तथा इसमें गहरी रूचि दिखाई। अध्ययन दल द्वारा टिशू कल्चर लैब में केला, गन्ना, बांस आदि फसलों के ऊतक प्रवर्धित पौधों में भी रूचि दर्शायी। उन्होंने कृषि संग्रहालय में प्रदर्शित प्रारूपों का भी अवलोकन किया। अध्ययन दल ने जैव उर्वरक प्रयोगशाला, जैविक नियंत्रण प्रयोगशाला, डॉ. आर. एल. रिछारिया जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला तथा बायोटेक पार्क का भी अवलोकन किया और वहां संचालित गतिविधियों का जायजा लिया।

गौरतलब है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में कृषि विश्वविद्यालय के उच्चस्तरीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने विगत माह उजबेकिस्तान के तरमेज, डेनाऊ, ताशकंद, बुखारा एवं समरकंद स्थित प्रमुख विश्वविद्यालयों, कृषि संस्थानों एवं अनुसंधान केंद्रों का दौरा किया था एवं इन सभी संस्थानों के साथ शिक्षण, अनुसंधान, उद्यमिता विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में आपसी सहयोग हेतु समझौते किये गए थे। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के साथ हस्ताक्षरित अनेक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से छात्र एवं संकाय विनिमय, संयुक्त अनुसंधान सहयोग, क्षमता निर्माण, एग्री-उद्यमिता सहयोग तथा दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी के नए अवसर विकसित हुए। इसी संवाद को बढ़ाने के लिए उज्बेकिस्तान से 8 सदस्यीय उच्चस्तरीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल छत्तीसगढ़ पहुंचा है। कल यह दल रायपुर के आस-पास निजी क्षेत्र में स्थापित कृषि उद्यमिता विकास एवं अनुसंधान संस्थानों का दौरा करेगा।

संपादकीय

चुनाव हारने पर नेता का कद छोटा हो जाता है

कोई भी राजनीतिक दल हो या उसका बड़ा नेता हो, वह चुनाव पार्टी को जिता नहीं पाता है या खुद जहां-जहां से चुनाव लड़ता है, वहां चुनाव जीत नहीं पाता है तो उसका राजनीतिक कद पार्टी,राज्य व देश में कम हो जाता है क्योंकि राजनीति में सीधा सा गणित होता है जो चुनाव खुद जीतता है और पार्टी को भी जिताता है, वह बड़ा नेता होता है, उसका राजनीतिक कद पार्टी में ,प्रदेश में व देश में ऊंचा हो जाता है वह जितने चुनाव खुद जीतता है और अपनी पार्टी को जिताता है, उसका राजनीतिक कद उतना ही ऊंचा होता है लेकिन कई चुनाव जिताने वाला नेता यदि एक चुनाव हार जाता है तो उसका जितना भी ऊंचा कद हो वह कम हो जाता है और उसे कोई बड़ा नेता नहीं मानता है क्योंकि वह अब हराने वाला नेता नहीं रह जाता है,वह चुनाव हारने वाला नेता बन जाता है और हारने वाले नेता को कोई बड़ा नेता नहीं मानता हैं। पार्टी के लोग नहीं मानते,राज्य के लोग नहीं मानते और देश में भी बड़ा नेता कोई नही मानता है।

पं.बंगाल चुनाव हारने के पहले ममता बैनर्जी पार्टी के सबसे बड़ी नेता थी,राज्य की सबसे बड़ी नेता थी और विपक्ष में देश की भी सबसे बड़ी नेता थी। वह खुद को विपक्ष का बड़ा नेता मानती थीं और विपक्ष के नेता उनको देश का बड़ा नेता मानते थे। क्योंकि विपक्ष के तमाम नेताओं के बीच वही एकमात्र ऐसी विपक्ष की नेता थी जिसने एक नहीं दो नहीं तीन चुनाव में पीएम मोदी व अमित शाह को पं.बंगाल में हराया था। विपक्ष में पीएम मोदी व शाह को किसी राज्य में तीन बार हराने वाला कोई और नेता नहीं था इसलिए ममता विपक्ष की मोदी व शाह को हरानेवाली नेता थी बाकी सब मोदी व शाह से चुनाव हारने वाले नेता थे। जब भी मोदी व शाह को किसी चुनाव में हराने की बात होती थी तो विपक्ष का कोई नेता यह कहे या न कहे ममता जरूर कहती थी कि उन्होंने मोदी व शाह को पं.बंगाल में तीन बार हराया है तो वही देश के चुनाव में भी उनको हरा सकती थी ।यानी वह विपक्ष से चाहती थीं कि राहुल गांधी की जगह उनको विपक्ष का नेतृत्व सौंपा जाता है तो वह पीएम मोदी को देश मे हरा सकती हैं।

26 के विधानसभा चुनाव मे पं.बंगाल में वह हुआ जिसकी कल्पना तक ममता नहीं करती थी यानी मोदी और शाह से पं.बंगाल में चुनाव हार जाना।वह भी बुरी तरह। इतनी बुरी तरह की वह खुद दो सीटो पर चुनाव लड़कर दोनों सीटों पर चुनाव हार गई और उनकी पार्टी जिसके दो सौ सीटों पर जीतने की कल्पना कर वह खुश हो रही थी,वह 100 सीट भी नहीं जीत सकीं। इससे ममता को बहुत राजनीतिक नुकसान हुआ। राज्य की सत्ता तो गई ही, देश के बड़ी नेता की जगह,देश की मोदी व शाह को हराने वाली व हरा सकने वाली नेता की जगह अब वह भी विपक्ष के सभी नेताओं की तरह मोदी शाह से हारने वाली नेता रह गई थीं ।वह सत्ता के नशे में भूल गई थी कि पीएम मोदी व शाह भी तीन बार हारने पर भी हार मानने नही है और उसको हराकर कर दम लेने वाले हैं। पीएम मोदी व शाह को ममता को हराने में 15 साल लगे लेकिन आखिरकार उन्होंने वह काम कर दिखाया जिस देश की राजनीति में ऐतिहासिक माना जाएगा।

चुनाव हारने से ममता को सबसे बड़ा राजनीतिक रूप से नुकसान क्या हुआ, वह भी विपक्ष के तमाम नेताओं जैसा हो गई. उनका राजनीतिक कद भी कम हो गया और वह भी राज्य व देश की सबसे बड़ी राजनीतिक नेता नहीं रह गई है ऐसे में उनके सामने खुद को विपक्ष से अलग व बड़ा नेता दिखाने के लिए कुछ ऐसा करना था जो विपक्ष के किसी नेता ने न किया हो। चुनाव हारने पर विपक्ष के तमाम नेताओं ने सहज इस्तीफा दे दिया था, ममता भी चुनाव हारने पर ऐसा करती तो वह विपक्ष के तमाम नेताओं जैसी हो जाती इसलिए उन्होंने हारने के बाद भी सीएम पद से इस्तीफा देने से मना कर दिया ताकि वह विपक्ष के तमाम नेताओं से अलग दिखें। वह कह सकें कि तुम लोग जो काम नहीं कर सके मैंने किया है मैं हारी नहीं हराई गई इसलिए मैंने विरोध मे सीएम पद से इस्तीफा नहीं दिया।

ममता ने सीएम पद से इस्तीफा न देकर खुद को विपक्ष के तमाम नेताओं के अलग बताने का प्रयास किया यानी वह विपक्ष के तमाम नेताओं को यह बताने का प्रयास किया कि मैं पहले भी तुम लोगों जैसी नहीं थी और बंगाल हारने के बाद भी नहीं हूं ।यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि ममता ने राहुल गांधी के बनाए हुए रास्ते पर चलने से क्यों मना नहीं किया क्योंकि राहुल गांधी ही देश के पहले ऐसे नेता जिन्होंने यह माना और कहा कि हम हारे नहीं है,हम हराए गए है। अब ममता ऐसा कर रही है। इसकी वजह यह है कि राहुलगांधी, ममता दोनो पीएम मोदी को कमजोर,डरपोक,कायर नेता कहते रहे हैं। ऐसे में उनको यह स्वीकारने में शर्म आती है कि हम जिसे कमजोर,डरपोक,कायर मानते हैं, हम ऐसे नेता से हार गए ।उनके हार स्वीकारने का मतलब तो यह होता कि पीएम मोदी कमजोर,डरपोक,कायर नेता नहीं है।

जन-जन की आस्था का सेतु बनी रामलला दर्शन योजना

श्रद्धा से सम्मान और आस्था से आत्मविश्वास तक की ऐतिहासिक यात्रा- पर्यटन, संस्कृति व धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन केवल भौगोलिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन करना प्रत्येक भारतीय के जीवन का सर्वोच्च संकल्प होता है। दशकों तक आर्थिक और व्यवस्थागत बाधाओं के कारण कई श्रद्धालु इस सौभाग्य से वंचित रहे, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की रामलला दर्शन योजना इन सपनों को हकीकत में बदल रही है।

आंकड़ों में श्रद्धा की गूंज

यह योजना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बुजुर्गों और जरूरतमंदों के प्रति शासन की संवेदनशीलता का प्रतिबिंब है। अब तक 56 विशेष ट्रेनों के माध्यम से 47 हजार 600 से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम की पुण्य यात्रा कर चुके हैं। जब कोई बुजुर्ग श्रद्धालु वर्षों के इंतजार के बाद अपने आराध्य के सम्मुख भावविभोर होता है, तब इस योजना का वास्तविक उद्देश्य सफल होता है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा इस यात्रा को अत्यंत गरिमापूर्ण बनाया गया है। श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित परिवहन और गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ आवास और निरंतर स्वास्थ्य देखभाल की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हमारी प्राथमिकता है कि प्रत्येक यात्री सम्मान और आत्मीयता के साथ इस आध्यात्मिक अनुभव को अपने हृदय में संजोकर लौटे।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सामाजिक समावेश

यह गरीब, जरूरतमंद, बुजुर्ग और सामान्य नागरिकों के सपनों को साकार करने का एक संवेदनशील प्रयास है। यह योजना समाज के हर वर्ग, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को समान रूप से जोड़ रही है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों (मर्यादा, करुणा और न्याय) को जीवन का हिस्सा बनाना ही हमारा विनम्र प्रयास है। यह पहल न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक गौरव और आत्मविश्वास का भी संचार कर रही है।

सरल और पारदर्शी चयन प्रक्रिया

शासन की सफलता अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने में है। रामलला दर्शन योजना को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है। इच्छुक नागरिक जिला कलेक्टर कार्यालय, जनपद पंचायत, या नगर निगम से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से पात्र हितग्राहियों का चयन किया जाता है। यात्रा से पूर्व अनिवार्य स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाता है।

भविष्य का विजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और जनहित सर्वोपरि के मंत्र पर कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में इस योजना का दायरा और अधिक व्यापक हो। छत्तीसगढ़ सरकार जनआस्था, सांस्कृतिक गौरव और लोककल्याण के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह केवल अयोध्या तक की यात्रा नहीं है, बल्कि यह श्रद्धा से सम्मान, आस्था से आत्मविश्वास और जनकल्याण से सांस्कृतिक उत्थान की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ का एक दृढ़ कदम है। मुझे विश्वास है कि यह योजना आने वाले वर्षों में जनसेवा और सांस्कृतिक समन्वय के एक वैश्विक मॉडल के रूप में स्थापित होगी।

त्रिवेणी राजे का सपना हुआ पूरा, शिविर में मिली पीएम आवास योजना की चाबी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत अकलतरा अंतर्गत ग्राम तिलई में आयोजित शिविर में ग्राम मुरलीडीह निवासी श्रीमती त्रिवेणी राजे को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्के मकान की चाबी प्रदान की गई। वर्षों से पक्के घर का सपना देख रही त्रिवेणी राजे के लिए यह अवसर बेहद खुशी और संतोष लेकर आया। श्रीमती त्रिवेणी राजे ने बताया कि उनका परिवार पहले कच्चे मकान में निवास करता था, जहां बारिश के दौरान पानी टपकने और गर्मी के मौसम में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिलने से अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर रहा है। उन्होंने कहा कि पक्का घर मिलने से परिवार में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं। श्रीमती राजे ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों के लिए राहत और खुशियों का माध्यम बनकर सामने आया है तथा शासन की योजनाओं का लाभ अब सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है।

सेवा सेतु: छत्तीसगढ़ में सुशासन और डिजिटल प्रशासन का नया अध्याय

नितेश चक्रधारी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ में शासन की तस्वीर बदल रही है। फाइलों और दफ्तरों के चक्कर से निकलकर अब सेवा नागरिक की हथेली पर आ गई है। "सेवा सेतु" इस बदलाव का सबसे ठोस प्रमाण है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 441 से अधिक सेवाओं को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर सुशासन को नई परिभाषा दी है। अब आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र से लेकर राशन कार्ड और भू-नकल तक सब कुछ एक क्लिक पर उपलब्ध है।

पुराना ढर्रा टूटा, नया भरोसा बना

कभी प्रमाण पत्र के लिए हफ्तों दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। समय, श्रम और पैसे की बर्बादी के साथ बिचौलियों का डर भी रहता था। सेवा सेतु ने इस व्यवस्था को "वन स्टॉप सॉल्यूशन" में बदल दिया है। नागरिक अब घर बैठे या लोक सेवा केंद्र से आवेदन कर तय समय में सेवा पा रहे हैं। पुराने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर 86 सेवाएं थीं, सेवा सेतु पर 441 सेवाएं लाइव हैं। 30 से अधिक विभाग एक मंच पर जुड़े हैं। 54 नई सेवाओं और 329 री-डायरेक्ट सेवाओं के एकीकरण से नागरिकों को अब अलग-अलग पोर्टल पर भटकना नहीं पड़ता।

व्हाट्सएप से गांव तक पहुंची सरकार

सेवा सेतु को व्हाट्सएप से जोड़कर सरकार तकनीक को अंतिम व्यक्ति तक ले गई है। अब तक 3.3 करोड़ से अधिक डिजिटल ट्रांजेक्शन हो चुके हैं। यह बताता है कि डिजिटल इंडिया गांव की चौपाल तक पहुंच रहा है।

आंकड़े बोलते हैं

लोक सेवा गारंटी अधिनियम अब कागजों तक सीमित नहीं है। पिछले 28 महीनों में 75.70 लाख से अधिक आवेदनों में से 68.41 लाख से ज्यादा का निराकरण हुआ है। 95 प्रतिशत से अधिक मामले समय-सीमा में निपटे हैं। सबसे अधिक मांग आय प्रमाण पत्र की रही। 32 लाख से अधिक आवेदन आए। मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन और भू-नकल की सेवाओं का भी बड़े पैमाने पर उपयोग हुआ है।

पारदर्शिता से बना विश्वास

सेवा सेतु केवल पोर्टल नहीं, सरकार और जनता के बीच भरोसे का पुल है। इलेक्ट्रॉनिक वर्कफ्लो से हर आवेदन की रीयल-टाइम निगरानी होती है। इससे देरी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म हुई है। जब व्यवस्था पारदर्शी होती है, तो नागरिक सशक्त होता है। छत्तीसगढ़ का यह मॉडल दिखाता है कि तकनीक का सही इस्तेमाल शासन को कैसे जन-केंद्रित बना सकता है। यदि यही गति रही, तो सेवा सेतु देश के लिए सुशासन का नया मानक बनेगा। असली सुशासन वही है जहां अधिकार मांगना न पड़े, और सेवा समय पर मिले।

धान के खेतों में अब उपज रही औषधीय समृद्धि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के किसान अब पारंपरिक धान की खेती के चक्र से बाहर निकलकर औषधीय फसलों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रहे हैं। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व और छत्तीसगढ़ औषधि पादप बोर्ड के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसान वच (स्वीट फ्लैग) की व्यावसायिक खेती अपनाकर अपनी आय को कई गुना बढ़ा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक धान की खेती के अलावा वच की औषधीय खेती ने किसानों की तकदीर बदल दी है, विशेषकर वन अंचलों में। औषधीय पौधों की खेती से किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा मिल रहा है।

क्या है वच और क्यों है इसकी मांग?

वच, जिसे स्थानीय स्तर पर घोड़बच कहा जाता है, एक बहुउपयोगी औषधीय पौधा है। इसकी जड़ों का प्रयोग आयुर्वेद, हर्बल दवाओं, सौंदर्य प्रसाधन, सुगंधित तेल और अगरबत्ती निर्माण में प्रमुखता से किया जाता है। वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग ने इसे किसानों के लिए हरा सोना बना दिया है। औषधि पादप बोर्ड के माध्यम से किसानों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

11 गांवों से हुई मुनाफे की शुरुआत

वर्तमान में धमतरी, नारायणपुर, कोंडागांव, बस्तर और रायपुर जिलों के 11 गांवों में लगभग 38 एकड़ क्षेत्र में वच की खेती की जा रही है। राज्य सरकार के नई सुबह की ओर अभियान के तहत आदिवासी किसान अब ब्राह्मी और वच ;बचद्ध जैसी सुगंधित व औषधीय फसलों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

कम लागत, अधिक लाभ

जहाँ पहले एक एकड़ धान से किसान मुश्किल से 20 हजार रुपए कमा पाते थे, वहीं अब बोर्ड द्वारा निःशुल्क पौधे और तकनीकी सहायता मिलने से मुनाफा लाख के पार पहुँच गया है। वैज्ञानिक पद्धति और जैविक खेती का संगम किसानों ने औषधीय पादप बोर्ड के प्रशिक्षण के अनुरूप आधुनिक तकनीकों को अपनाया है। रोपाई जुलाई माह में 3030 सेमी की दूरी पर अंकुरित कंदों का रोपण।

जैविक पोषण

रासायनिक खादों के बजाय गोबर खाद और जीवामृत का उपयोग किया जाता है। सुरक्षा की फसल में कीटों का प्रकोप नगण्य होने और कम पानी की आवश्यकता के कारण रखरखाव का खर्च काफी कम रहा। प्रसंस्करण से मिली ए-ग्रेड गुणवत्ता 9 महीने की मेहनत के बाद अप्रैल-मई में फसल तैयार हुई। किसानों ने केवल कच्चा माल नहीं बेचा, बल्कि जड़ों की सफाई, कटाई और पॉलिशिंग कर उन्हें ए-ग्रेड गुणवत्ता में बदला, जिससे बाजार में उन्हें उच्चतम मूल्य प्राप्त हुआ।

मुनाफे का गणित (प्रति एकड़) विवरण

अनुमानित आंकड़े कुल लागत लगभग 20 हजार रुपए कुल उपज (सूखी जड़ें) लगभग 15 क्विंटल बाजार मूल्य 70 रुपए प्रति किलो शुद्ध की दर से आय करीब एक लाख रुपए होती है। सतत खेती की ओर कदम भविष्य के प्रति जागरूक किसानों ने अपनी उपज का 10 प्रतिशत हिस्सा अगले साल के बीज (कंद) के रूप में सुरक्षित रखा है। बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और विपणन सहायता ने किसानों में यह आत्मविश्वास जगाया है कि वे अब वच की खेती का रकबा बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस सफलता की कहानी सिद्ध करती है कि यदि पारंपरिक कृषि के साथ तकनीकी नवाचार और औषधीय पादपों का समन्वय हो, तो छत्तीसगढ़ का किसान न केवल समृद्ध होगा, बल्कि देश की हर्बल अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ भी बनेगा।

नियद नेल्लानार योजना : दशकों के अंधेरे से उजाला तक पहुंचा तोके गांव

नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल में बसे ग्राम तोके में उत्सव का माहौल है। दशकों तक अंधेरे में डूबे इस गांव में अब पहली बार बिजली पहुंची है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना के तहत गांव के 32 परिवारों के घर रोशनी से जगमगा उठे हैं। बिजली आने से ग्रामीणों में एक नया उत्साह और नई उम्मीद जगी है।

घने जंगलों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच इस चुनौतीपूर्ण कार्य को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड नारायणपुर संभाग ने सफलतापूर्वक पूरा किया। कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन के निर्देशन में गांव तक विद्युत लाइन का विस्तार कर सभी 32 उपभोक्ताओं को पहली बार बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कार्यपालन अभियंता के जमीनी मार्गदर्शन और विभागीय टीम के समन्वित प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बिजली पहुंचने के साथ ही अब तोके गांव में विकास की नई संभावनाएं भी खुल गई हैं। बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा, वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं और छोटे स्वरोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों ने वर्षों बाद अपने घरों में बिजली जलते देख शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। अधिकारियों के अनुसार नियद नेल्लानार योजना के तहत जिले के अन्य दूरस्थ गांवों को भी प्राथमिकता के आधार पर विद्युत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है, ताकि विकास की रोशनी अंतिम छोर तक पहुंच सके।

सुकमा के गोगुंडा में पहली बार जला बल्ब

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

सुकमा जिले की दुर्गम पहाड़ियों में बसे गोगुंडा गांव अब बिजली की रोशन से जगमगा उठा है। करीब 650 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस गांव में आजादी के 78 साल बाद पहली बार बिजली पहुंची है। गांव में जैसे ही बल्ब जले, लोगों के मन में उमंग और आंखों में खुशी की झलक दिखाई दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हुए इस प्रयास को ग्रामीण सिर्फ बिजली आने की घटना नहीं, बल्कि वर्षों से पसरे भय और अलगाव के अंत के रूप में देख रहे हैं। कभी सूरज ढलते ही सन्नाटे और डर में डूब जाने वाला गोगुंडा अब रोशनी से जगमगा रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि अब तक यहां की जिंदगी ढिबरी और टॉर्च के सहारे चलती थी। बच्चे रात में ठीक से पढ़ नहीं पाते थे और महिलाएं अंधेरा होते ही घरों में सिमट जाती थीं। लेकिन अब गांव की तस्वीर बदलने लगी है। शाम ढलते ही घरों में बल्ब जल उठते हैं और बच्चों की पढ़ाई की आवाजें सुनाई देने लगी हैं।

गांव के बुजुर्ग माड़वी सुक्का ने भावुक होकर कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि अपने जीते जी गांव में बिजली देख पाएंगे। अब लग रहा है कि हमारा गांव भी देश का हिस्सा है। दरअसल, गोगुंडा लंबे समय तक नक्सलियों के प्रभाव वाला इलाका माना जाता रहा है। यहां पहुंचना भी बेहद मुश्किल था। यहां पांच घंटे तक पैदल पहाड़ चढ़कर जाना पड़ता था। लेकिन सीआरपीएफ की 74वीं बटालियन, जिला प्रशासन और पुलिस के संयुक्त प्रयासों के बाद यहां सुरक्षा कैंप स्थापित हुआ और हालात बदलने लगे।

74वीं बटालियन के कमांडेंट ने बताया कि कैंप बनने के बाद इलाके में विकास कार्यों को गति मिली। वहीं कलेक्टर ने कहा कि गोगुंडा में बिजली पहुंचना सिर्फ शुरुआत है। आने वाले समय में यहां सड़क, पुल-पुलिया, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जाएगा। कैंप स्थापित होने के बाद गांव में स्कूल, आंगनबाड़ी और राशन दुकान जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पहुंचने लगी हैं। अब प्रशासन की कोशिश है कि इलाके को पूरी तरह विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। गोगुंडा की यह रोशनी केवल एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बस्तर के बदलते हालात और वहां लौटते भरोसे की तस्वीर है। दशकों तक अंधेरे और डर में जीने वाले इस गांव में अब उम्मीद की नई किरण दिखाई दे रही है।

मानव सेवा के लिए आगे आया जनसहयोग, रेडक्रॉस स्टीकर अभियान का हुआ शुभारंभ

पहले ही दिन 8,800 रुपये की सहयोग राशि संग्रहित, जिलेवासियों से जुड़ने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

मानव सेवा, करुणा और सामाजिक सहभागिता की भावना को सशक्त बनाने हेतु भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा राज्य रेडक्रॉस सोसायटी के मार्गदर्शन में रेडक्रॉस स्टीकर जनसहयोग अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य समाज के सहयोग से जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना तथा मानवीय सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाना है।

अभियान की शुरुआत जिला शाखा के चेयरमैन विक्रांत सिंह द्वारा 5,100 रुपये की सहयोग राशि प्रदान कर की गई। इसके पश्चात अध्यक्ष सह कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी

प्रेम कुमार पटेल, राज्य प्रबंध मंडल सदस्य बिसेसर दास साहू, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक बिसेन, शिक्षा विभाग से कमलेश्वर राजपूत सुनील कुमार एवं निलेश यादव सहित रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यगण, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहयोग राशि प्रदान कर अभियान को मजबूती दी।

रेडक्रॉस स्टीकर जनसहयोग अभियान को समाज से पहले ही दिन सकारात्मक प्रतिसाद प्राप्त हुआ और कुल 8,800 रुपये की सहयोग राशि संग्रहित की गई। रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि यह अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर संचालित रहेगा तथा प्राप्त राशि का उपयोग जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता, आपदा राहत कार्य, स्वास्थ्य सहायता एवं अन्य मानवीय सेवाओं में किया जाएगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से जिला रेडक्रॉस शाखा के श्री हरिओम शर्मा एवं मलेरिया सुपरवाइजर विवेक मेश्राम की सक्रिय उपस्थिति रही। रेडक्रॉस सोसायटी ने जिले के नागरिकों, संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे इस जनसहयोग अभियान से जुड़कर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

खास खबर

वन विभाग की कार्रवाई : मादा नीलगाय शिकार मामले में 3 आरोपियों का सरेंडर

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद जिले के पिथौरा वन परिक्षेत्र में मादा नीलगाय के अवैध शिकार मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। मामले के तीन मुख्य आरोपियों ने आज गुरुवार को वन परिक्षेत्र कार्यालय पिथौरा पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। विभाग ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि एक अन्य आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

वन विभाग के अनुसार, 4 मई को परिवृत्त पूर्व पिथौरा के परिसर सुखीपाली स्थित कक्ष क्रमांक-234 के पास शांतिनगर क्षेत्र में मादा नीलगाय के अवैध शिकार का मामला सामने आया था। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। गुरुवार को ग्राम शांतिनगर-सुखीपाली निवासी ईश्वर राणा, टंकधर और विद्याधर प्रधान ने वन विभाग के समक्ष समर्पण किया। वन अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ पूरी होने के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। वन विभाग ने कहा है कि वन्यजीवों के अवैध शिकार के मामलों में दोषियों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रति एकड़ 2 बोरी की जगह अब किसानों को मिलेगा सिर्फ 1 बोरी यूरिया, किसानों के साथ हो रहा छल : राकेश ठाकुर

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बुधवार को अहिवारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मुरमुंदा, लिमतरा एवं नंदौरी का दौरा कर खरीफ फसल हेतु खाद की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। दौरे के दौरान सामने आए आंकड़े भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों की पोल खोलते हैं। श्री ठाकुर ने बताया कि पिछले वर्ष 1 अप्रैल 2025 से 7 मई 2025 के बीच मुरमुंदा सोसायटी में डीएपी 323 बोरी, यूरिया 389 बोरी, सुपर फास्फेट 124 बोरी एवं पोटाश 109 बोरी, लिमतरा सोसायटी में डीएपी 143 बोरी, यूरिया 247 बोरी, सुपर फास्फेट 71 बोरी एवं पोटाश 18 बोरी तथा नंदौरी सोसायटी में डीएपी 540 बोरी, यूरिया 733 बोरी, सुपर फास्फेट 291 बोरी एवं पोटाश 155 बोरी का वितरण हो चुका था, जो उस समय भी अपर्याप्त था। इसके विपरीत, इस वर्ष 6 मई 2026 तक की स्थिति बेहद चिंताजनक है। अब तक किसानों को एक भी बोरी खाद का वितरण प्रारंभ नहीं किया गया है और न ही समितियों में पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि भाजपा सरकार किसानों की जरूरतों के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील है। यह समस्या केवल दुर्ग जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में देखने को मिल रही है। श्री ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसानों के साथ लगातार छल किया जा रहा है। जहां पिछले वर्ष किसानों को प्रति एकड़ 2 बोरी यूरिया एवं 1 बोरी डीएपी दिया जा रहा था, वहीं इस वर्ष उसे भी घटाकर केवल 1 बोरी यूरिया व 1 बोरी डीएपी दिए जाने की बात सामने आ रही है, जो सीधे-सीधे किसानों की उत्पादन क्षमता पर चोट है।

किसानों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक खाद वितरण शुरू नहीं हुआ है, जिससे बुवाई की तैयारी प्रभावित हो रही है। किसानों ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हर वर्ष खाद के लिए भटकना पड़ता है, लेकिन इस बार तो स्थिति और भी बदतर है। किसानों ने यह भी कहा कि यदि समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुआ तो फसल पर गंभीर असर पड़ेगा और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। वर्तमान स्टॉक की स्थिति भी बेहद निराशाजनक है। नंदौरी सोसायटी में मात्र 52 टन यूरिया, 80 टन डीएपी, 30 टन सुपर फास्फेट एवं 22 टन पोटाश उपलब्ध है, जबकि मुरमुंदा सोसायटी में 13 टन यूरिया, 3 टन सुपर फास्फेट, 4 टन पोटाश एवं 40 टन एनपीके उपलब्ध है, वहीं डीएपी का स्टॉक शून्य है। यह स्थिति खरीफ सीजन से पहले ही भारी संकट का संकेत दे रही है। श्री ठाकुर ने कहा कि बुवाई शुरू होने से पहले ही खाद की यह किल्लत किसानों को आर्थिक और मानसिक रूप से तोड़ रही है। भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसान हताश और निराश है, और उन्हें खून के आंसू रोने पर मजबूर किया जा रहा है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस : मानव सेवा ही रेडक्रॉस की असली पहचान- स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

उत्कृष्ट समाजसेवियों, कलेक्टरों और स्वयंसेवकों का किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रायपुर के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सेवा और मानवता के क्षेत्र में सक्रिय रेडक्रॉस कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित लोक नृत्य, चित्रकला और नाट्य प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मंत्री गजेन्द्र यादव ने पुरस्कृत किया। प्रदेश के कुल 64 रेडक्रॉस वॉलिंटियर्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

समाजसेवियों और अधिकारियों को किया सम्मानित

समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने समाजसेवियों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अंगदान, रक्तदान, नेत्रदान और देहदान जैसे पुनीत कार्यों के जरिए समाज में नई चेतना जागृत की है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की

त्वरित सहायता करना और जरूरतमंदों तक सेवा पहुँचाना रेडक्रॉस परिवार की अद्भुत कार्यसंस्कृति को दर्शाता है। रामसिंह अग्रवाल सदस्यता एवं समाज सेवा के लिए, सूरज साहू रक्तदान के लिए, कमलेश निषाद सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए, पवन गांधी और आकांक्षा श्रीवास्तव नेत्रदान, नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के लिए सम्मानित किया गया। मंत्री श्री यादव ने सभी से करुणा और सहयोग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कलेक्टरों और स्वयंसेवकों की सराहना

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न जिलों के कलेक्टरों (रेडक्रॉस अध्यक्ष) को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. गौरव कुमार सिंह, अभिजीत सिंह, एस. जयवर्धन, डॉ. संजय कन्नौजे, रोहित व्यास, दिव्या उमेश मिश्रा, अविनाश मिश्रा एवं कुणाल दुदावत के प्रतिनिधि शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, मानवता की विशिष्ट सेवा हेतु व्यक्तिगत रूप से भी कई स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर रेडक्रॉस के स्टेट चेयरमैन तोमन साहू, वाइस चेयरमैन रूपेश पाणिग्रही, कोषाध्यक्ष संजय पटेल सहित बाबूलाल अग्रवाल, संदीप दीवान, युवराज देशमुख और बड़ी संख्या में रेडक्रॉस काउंसलर एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

सुशासन तिहार : कलेक्टर अभिजीत सिंह ने किया निरीक्षण, विभिन्न विभागों ने मौके पर किया आवेदन का निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नगर पालिका परिषद अहिवारा में आयोजित सुशासन तिहार-2026 जनसमस्या निवारण शिविर में बुधवार को बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे। वार्ड क्रमांक 03 स्थित मंगल भवन में आयोजित इस समाधान शिविर में वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक के लोगों ने भाग लिया। शिविर में 500 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याएं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए।

शिविर का निरीक्षण जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह ने किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों से कार्यों की जानकारी ली तथा आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम महेश सिंह राजपूत, नगर पालिका सीएमओ प्रवीण गहलोत, इंजीनियर खिलानंद कुलहरे एवं नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में राजस्व, श्रम, परिवहन, खाद्य, आबकारी, विद्युत, जल विभाग, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, आधार पंजीयन सहित विभिन्न विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। मौके पर ही कई आवेदनों का निराकरण किया गया, जिससे लोगों को राहत मिली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में कुल 168 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 128 मांग और 40 शिकायतें शामिल रहीं। इनमें से 57 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया, जबकि शेष 111 आवेदन निराकरण हेतु लंबित रखे गए हैं। सबसे अधिक आवेदन महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग तथा लोक कर्म विभाग से संबंधित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा पत्र वितरित किए गए। शिक्षा विभाग की ओर से 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

परिवहन विभाग द्वारा तत्काल निर्मित लर्नर लाइसेंस प्रमाण पत्र भी हितग्राहियों को कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों के हाथों वितरित किए गए। शिविर में पहुंचे लोगों ने शासन की योजनाओं और एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं मिलने पर संतोष व्यक्त किया। सुशासन तिहार शिविर का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान, शासन की योजनाओं की जानकारी और पात्र हितग्राहियों तक सीधा लाभ पहुंचाना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने प्रशासन के प्रति लोगों के विश्वास को दर्शाया।

माइनिंग अधिकारी बनकर वसूली करने वाले तीन गिरफ्तार, स्विफ्ट कार जब्त

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगांव

खुद को माइनिंग विभाग का अधिकारी बताकर ट्रांसपोर्टर से अवैध वसूली करने वाले तीन आरोपियों को डोंगरगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किसान के खेत में मिट्टी समतलीकरण कर रहे ट्रांसपोर्टर को डरा-धमकाकर 6 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए थे। पुलिस ने स्विफ्ट कार सहित तीनों को कुमरदा पेट्रोल पंप के पास से पकड़ा।

जेसीबी काम के दौरान पहुंचे फर्जी अफसर

थाना डोंगरगांव में प्रार्थी रामसिंह राजपूत, निवासी ग्राम दर्री ने रिपोर्ट दर्ज कराई। वह ट्रांसपोर्टिंग और जेसीबी का काम करता है। 7 मई को ग्राम आमगांव में किसान यशवंत साहू के खेत में जेसीबी और ट्रैक्टर से मिट्टी समतलीकरण का काम चल रहा था।

दोपहर करीब 2:58 बजे स्विफ्ट कार सीजी 04 पीएन 1413 में सवार रवि शर्मा, रेहाना बेगम और शेख अरमान मौके पर पहुंचे। तीनों ने खुद को माइनिंग विभाग का अधिकारी बताया। प्रार्थी और ड्राइवर तनुज कुमार पर अवैध खनन का आरोप लगाकर कार्रवाई और बदनाम करने की धमकी दी। डर के कारण प्रार्थी ने आरोपी के मोबाइल पर 6 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

तत्काल हुई गिरफ्तारी

सूचना मिलते ही थाना डोंगरगांव पुलिस ने कुमरदा पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर स्विफ्ट कार सवार तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया। आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया गया और न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कीर्तन राठौर और एसडीओपी मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में कार्रवाई हुई। टीम में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, उप निरीक्षक पुष्पराज साहू, सउनि अनिल यादव, आरक्षक हेमंत सूर्यवंशी, बीसराम वर्मा, महिला आरक्षक अभिलाषा सिंह, राजकुमारी रत्नाकर शामिल रहे।

पुलिस की अपील

राजनांदगांव पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति यदि खुद को शासकीय अधिकारी बताकर अवैध वसूली या धमकी देता है तो तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दें। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामचंद्र शर्मा का बोरे बासी कार्यक्रम सोशल मीडिया में हुई वायरल

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

शहर के शनि मंदिर के सामने मजदूरों के बीच 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर आयोजित बोरे-बासी कार्यक्रम अब एक सामान्य आयोजन नहीं, बल्कि जनभावनाओं से जुड़ा सामाजिक संदेश बनता दिखाई दे रहा है। नव निर्माण संकल्प समिति के तत्वाधान में समाजसेवी रामचंद्र शर्मा द्वारा मजदूर दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के एक से अधिक वीडियो पिछले एक सप्ताह से सोशल मीडिया में जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहे हैं।

कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहां किसी प्रकार का दिखावा या राजनीतिक मंच नहीं था, बल्कि मजदूरों के बीच बैठकर उनके सम्मान और स्वाभिमान को केंद्र में रखा गया। भीषण गर्मी के बीच बोरे-बासी जैसे छत्तीसगढ़ी पारंपरिक भोजन को मजदूरों के साथ साझा कर आयोजनकर्ताओं ने यह संदेश दिया कि समाज की असली ताकत मेहनतकश वर्ग है, और उनका सम्मान केवल भाषणों से नहीं बल्कि व्यवहार से होना चाहिए।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के दौरान 1 मई को बोरे-बासी दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई थी। उस समय इस परंपरा ने प्रदेशभर में सांस्कृतिक पहचान और श्रमिक सम्मान का प्रतीक बनकर नई पहचान बनाई थी। हालांकि सरकार बदलने के बाद यह परंपरा धीरे-धीरे सीमित होती चली गई, लेकिन रायगढ़ में नव निर्माण संकल्प समिति ने इसे फिर से जनचर्चा में ला खड़ा किया है।

लोगों का कहना है कि आज जब राजनीति केवल मंचों और नारों तक सीमित होती जा रही है, ऐसे समय में मजदूरों के बीच जाकर उनके साथ बैठना और उनका सम्मान करना समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला कदम है। रामचंद्र शर्मा की इस पहल को लेकर शहर में लगातार चर्चाएं हो रही हैं। युवाओं से लेकर सामाजिक संगठनों तक में इस कार्यक्रम की सराहना की जा रही है। सोशल मीडिया पर लोग इसे जमीन से जुड़ी राजनीति, मजदूर सम्मान का असली उदाहरण और छत्तीसगढ़ी संस्कृति की वापसी जैसे शब्दों से जोड़कर देख रहे हैं। राजनीतिक और सामाजिक जानकारों का मानना है कि यह आयोजन आने वाले समय में रायगढ़ में जनसरोकार आधारित अभियानों की नई शुरुआत साबित हो सकता है।

नए पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा मावली हिल्स, वॉटर एडवेंचर भी शुरू

पहले बस्तर की पहचान गोला-बारूद से होती थी, अब यह पर्यटन केंद्र के तौर पर जाना जाएगा-सांसद भोजराज नाग

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर-भानुप्रतापपुर

प्रकृति के अप्रतिम सौंदर्य से भरपूर कांकेर में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। जिले में भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुह्का के पिच्चेकट्टा जलाशय को नए वॉटर एडवेंचर के रूप में विकसित किया जा रहा है। सांसद भोजराज नाग ने यहां मावली हिल्स के नाम से विकसित किए गए नए वॉटर एडवेंचर का शुभारंभ किया। विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी भी इस दौरान उपस्थित थीं।

सांसद भोजराज नाग ने वाटर एडवेंचर का शुभारंभ करते हुए कहा कि कांकेर जिले में पिच्चेकट्टा जैसे सैकड़ों पिकनिक स्पॉट हैं। लेकिन पिछले कई दशकों तक माओवादी आतंक के चलते यहां के पर्यटन केंद्रों का विकास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि पहले बस्तर की पहचान गोला-बारूद से होती थी, अब यह पर्यटन केंद्र के तौर पर जाना जाएगा। श्री नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद खत्म हो गया है।

भानुप्रतापपुर की विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने इस मौके पर कहा कि पिच्चेकट्टा जलाशय प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। सैलानियों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, निखिल सिंह राठौर, जनपद सदस्य विष्णु कचलाम और जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

'सिस्टम' में न्याय के लिए एकजुट होंगी सोनाक्षी और ज्योतिका

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, ''सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।'' फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'सिस्टम' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी। इसमें महत्वाकांक्षा, न्याय और नैतिकता जैसे विषयों को बहुत ही दिलचस्प तरीके से दिखाया गया है। मेरा मानना है कि यह फिल्म हर मोड़ पर दर्शकों को चौंकाएगी और उन्हें सोचने पर मजबूर करेगी। 'सिस्टम' 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

कंगना रनौत फिर दिखाएंगी अपना जलवा, 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देश के नायकों की कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान बुधवार को हो गया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'साधारण लोगों की एक असाधारण कहानी। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बन गई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता हमारा फर्ज बन गई और हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनसुनी कहानी। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' यह फिल्म उन नायकों की कहानी को सामने लाती है, जिनका जिक्र इतिहास के पन्नों में कहीं दबकर रह गया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म हथियारों और हिंसा के बजाय मानवीय इरादों और नैतिक साहस पर रोशनी डालती है।

फिल्म की कहानी मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के गलियारों और वार्डों के इर्द-गिर्द घूमती है। 26 नवंबर 2008 की रात जब मुंबई आतंक की आग में जल रही थी, तब कामा अस्पताल के भीतर एक अलग ही जंग लड़ी जा रही थी। बाहर आतंकी गोलियां बरसा रहे थे, लेकिन अस्पताल के अंदर निहत्थे स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 400 मरीजों और उनके परिजनों की जान बचाई थी। यह फिल्म अस्पताल के हर उस कर्मचारी को सम्मान देती है, जिसमें नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। उस रात उनके पास वहां से भाग जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने रुककर अपना फर्ज निभाना चुना।

फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। अपने किरदार और फिल्म के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अक्सर हम बहादुरी के

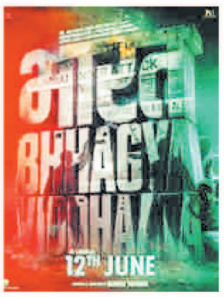

केवल उन कामों का जश्न मनाते हैं, जो बहुत नाटकीय होते हैं, लेकिन असली हिम्मत अक्सर शांत होती है। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन आम लोगों की कहानी है, जो आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े रहे। यह देशभक्ति का सबसे सच्चा रूप है, जहां फर्ज कर्म में बदल जाता है। मुझे इस कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है, जो उन लोगों को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने शहर को उसके सबसे मुश्किल पलों में एकजुट रखा। मैं 12 जून को दर्शकों के साथ इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हूं।' पेन स्टूडियोज के प्रमुख और फिल्म के निर्माता जयंतीलाल गडा ने फिल्म के महत्व पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें मनोज तापड़िया के विजन और कंगना के अभिनय पर पूरा भरोसा है। यह फिल्म देश की उस अटूट भावना को दर्शाती है, जो उसके आम लोगों में बसती है।' वहीं, फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने इसे एक भावनात्मक और रोमांचक थ्रिलर बताया। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म डर पर हिम्मत की और अफरा-तफरी पर करुणा की जीत है। 12 जून को दर्शक देखेंगे कि कैसे महिलाओं और आम कर्मचारियों ने मौत के सामने खड़े होकर असाधारण फैसले लिए। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सच्ची बहादुरी अक्सर सबसे साधारण जगहों से निकलकर आती है।

'लव एंड वॉर' के बाद 'महावतार' को 18 महीने देंगे विक्की कौशल

विक्की कौशल अभी संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके तुरंत बाद, वह अपने करियर के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक की तैयारी में जुट जाएंगे। एक्टर अमर कौशिक की पौराणिक फिल्म 'महावतार' की तैयारी कर रहे हैं। खबर है कि 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी करने के तुरंत बाद, जून 2026 से विक्की कौशल इस फिल्म पर काम शुरू कर देंगे। विक्की ने कथित तौर पर इस प्रोजेक्ट के लिए कुल 18 महीने का समय अलग रखा है। विक्की ने छह महीने के एक सख्त ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए हामी भरी है। इसमें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और खास तौर पर इस फिल्म के लिए डिजाइन की गई एक्टिंग वर्कशॉप शामिल हैं।

कब से कब तक चलेगी शूटिंग?

बताया जाता है कि तैयारी में किरदार के मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक पहलुओं को समझना भी शामिल है। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2027 में शुरू होने वाली है। यह पूरे एक साल तक चलेगी और दिसंबर 2027 में पूरी होगी। इस दौरान विक्की ने फैसला किया है कि वह अपना पूरा ध्यान सिर्फ 'महावतार' पर देंगे और किरदार में एकरूपता बनाए रखने के लिए कोई दूसरा प्रोफेशनल काम नहीं करेंगे।

कोई दूसरा प्रोजेक्ट नहीं लेंगे विक्की

खबरों के मुताबिक विक्की 'महावतार' को अपने जीवन का एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट मान रहे हैं। वह इसमें पूरी तरह से डूब जाना चाहते हैं, इसीलिए उन्होंने जान-बूझकर फैसला किया है कि शूटिंग के दौरान वह कोई दूसरा काम नहीं करेंगे।

कब हुई थी फिल्म की घोषणा?

साल 2024 में, विक्की कौशल ने इस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी और 'महावतार' का पहला लुक शेयर किया था। इसे दर्शकों ने पसंद किया था। इस लुक को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा था, 'दिनेश विजान धर्म के शाश्वत योद्धा की कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं! अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म महावतार में विक्की कौशल 'चिरंजीवी परशुराम' का किरदार निभा रहे हैं।'

अनीस बज्मी की फिल्म की शूटिंग के बीच अक्षय कुमार ने लिया ब्रेक!

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। प्रियदर्शन के साथ उनकी यह फिल्म हिट हो गई है। अब उन्होंने फिल्ममेकर अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बीच खबर आ रही है कि बहुत मसरूफ होने के बावजूद उन्होंने एक जरूरी काम के लिए वक्त निकाल लिया है।

अक्षय कुमार ने कराई आंख की सर्जरी

अक्षय कुमार ने अपनी आंखों की सर्जरी करवाई है। एटी ने एक सूत्र के हवाले से लिखा 'यह एक छोटी सी सर्जरी थी जो 6 मई, बुधवार की सुबह हुई। यह नजर ठीक करने के लिए थी। अक्षय अब थोड़ा ब्रेक लेंगे और आराम करेंगे। उन्होंने अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म का केरल शेड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी नजर आएंगी।'

प्रियदर्शन सर के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे शानदार अनुभव

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। बुधवार को उन्होंने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। एकता ने इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रोड्यूसर ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे दो अलग और मजबूत विचारधारा वाले लोगों ने आपसी सम्मान के साथ एक बेहतरीन प्रोजेक्ट पर काम किया। एकता ने लिखा, 'मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों जैसे मजबूत सोच वाले लोग साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। मुझे नहीं लगता कि मैंने प्रियदर्शन के साथ काम करने जितना मजा किसी और के साथ किया है।' एकता ने एक दिलचस्प वाक्य शेयर करते हुए बताया कि काम शुरू करने से पहले ही प्रियदर्शन ने उनसे एक बेहद खास सवाल पूछा था। प्रियदर्शन ने उनसे पूछा, 'एकता, क्या तुम इस फिल्म से पैसा कमा रही हो?' मैं उस फिल्म पर काम नहीं करता जिसमें प्रोड्यूसर को फायदा न हो।' एकता ने लिखा, 'उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे। तभी मुझे भरोसा हो गया था कि फिल्म और कंपनी का पैसा दोनों सही हाथों में हैं।' एकता ने उनके अनुशासन और विजन की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा, 'ऐसा नहीं है कि हमारे बीच कभी मतभेद नहीं हुए लेकिन हर बार बात सम्मान के साथ हुई।

ईमानदारी से काम किया, इसलिए मेरी गलतियां माफ हो गईं, इंडस्ट्री में टिकना बड़ी बात

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्ठ सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में नवभारत टाइम्स के साथ बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।

आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या जिंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीजन तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

आपकी फिल्म पिट्ठ सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल जिंदगी में भी रूबरू हुई हैं?

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी जिंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के पयूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं। उन्हें सिर्फ अपने काम से मतलब है।

पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

पेंड्रा के मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह में 72 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे विधायक मरपची ने दी शुभकामनाएं

साय सरकार बेटियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और समरस समाज निर्माण के लिए है प्रतिबद्ध

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण और सामाजिक समरसता को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज मल्टी परपज स्कूल परिसर पेंड्रा में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जहां 72 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चारण, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में परिणय सूत्र में बंधे।

विधायक प्रणव कुमार मरपची ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संवेदनशील और जनहितैषी सरकार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ आज समग्र विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री जो कहते हैं, उसे धरातल पर उतारकर दिखाते भी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सम्मान, बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम में विधायक मरपची ने योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े के खाते में 35 हजार रुपये की सहायता राशि अंतरित की तथा प्रतीक स्वरूप 10 जोड़ों को चेक भी प्रदान किए। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहायता नवदम्पत्तियों को नए जीवन की शुरुआत में मजबूती प्रदान करेगी और आत्मनिर्भर गृहस्थ जीवन की नींव रखेगी।

जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस गरिमामय समारोह में विधायक प्रणव कुमार मरपची मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवदम्पतियों को सुखद एवं समृद्ध दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना राज्य सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना और उन्हें आत्मसम्मान के साथ नए जीवन की शुरुआत के लिए सहयोग प्रदान करना है।

समारोह के दौरान पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण से सराबोर दिखाई दिया। शहनाइयों की मधुर धुन, वैदिक मंत्रोच्चार, वरमाला, फेरे और सिंदूरदान की रस्मों के बीच नवदम्पत्तियों ने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। बड़ी संख्या में उपस्थित परिजन, रिश्तेदार एवं नागरिक इस भावुक और प्रेरणादायी पल के साक्षी बने। कई परिवारों के चेहरों पर संतोष और खुशी स्पष्ट झलक रही थी। विधायक ने जानकारी दी कि इससे पूर्व जिला गठन के उपलक्ष्य में आयोजित अरपा महोत्सव के दौरान 10 फरवरी 2026 को आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं उपस्थित होकर 306 जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया था। यह राज्य सरकार की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है।

समारोह के दौरान विधायक ने उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त जिला और बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बेटियों को शिक्षा, सम्मान और सुरक्षित भविष्य देना ही सशक्त समाज की पहचान है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आज प्रदेश में सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। योजना के तहत नवदम्पत्तियों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ आवश्यक गृहस्थी सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे सम्मानपूर्वक अपने नए जीवन की शुरुआत कर सकें। यह योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती बूंद कुवर मार्को, भंवन सिंह गोवास, श्रीमती राजेश नंदनी मार्को, पवन पैकरा, जनपद अध्यक्ष गौरेला शिवनाथ बघेल, कलेक्टर डॉ. संतोष प्रसाद देवांगन, पुलिस अधीक्षक मनोज खिलारी, जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अमित सिन्हा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक, वर-वधु एवं उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सारंगढ़ में गूंजी कन्या विवाह की शहनाईयां, 96 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने नवविवाहित जोड़ों को वैवाहिक जीवन की सफलता का एक विशेष मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग के दौर में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग रिश्तों में दरार की वजह बन रहा है। छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवादों से बचने के लिए मोबाइल का उपयोग जरूरत के अनुसार ही करें। आपसी सामंजस्य और प्रेम ही सुखी गृहस्थ जीवन का आधार है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से आज सारंगढ़ का कृषि उपज मंडी प्रांगण खुशियों और उत्सव का गवाह बना। भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 96 जोड़ों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सात फेरे लिए।

गरीब परिवारों का संबल बनी योजना

मंत्री ने शासन की इस योजना को गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज का हर वर्ग गरिमा के साथ मांगलिक कार्य संपन्न कर सके। इस दौरान उन्होंने सभी जोड़ों को शासन की ओर से मिलने वाली 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए। यह भव्य आयोजन न केवल सामाजिक समरसता का उदाहरण बना, बल्कि इसने शासन की जनकल्याणकारी नीतियों को सीधे जनता तक पहुँचाने के संकल्प को भी दोहराया। जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर-वधु और उनके परिजनों के लिए भोजन, पेयजल और बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पाण्डेय, पूर्व विधायक शमशेर सिंह, कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

62 जोड़ों ने लिए सात फेरे, नवदंपत्तियों को मिली शासकीय सहायता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देशानुसार रायपुर जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत आज तीन विभिन्न स्थलों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कुल 62 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नए जीवन की शुरुआत की।

टाऊन हॉल, आरंग में 16 जोड़ों का विवाह कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्री गुरू खुशवंत साहेब के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, जनपद अध्यक्ष श्रीमती टाकेश्वरी मुरली साहू, जनपद सदस्य श्रीमती पद्मिनी साहू एवं जनपद उपाध्यक्ष रविन्द्र चंद्राकर उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, सासाहोली, तिल्दा-नेवरा में 31 जोड़ों का विवाह जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष टीकेश्वर मनहरे, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती चंद्रकला वर्मा, जिला पंचायत सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास सभापति श्रीमती शैल महेन्द्र साहू, जनपद सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास सभापति श्रीमती सरोज मुकेश भारद्वाज, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती पलक सुखवानी एवं समस्त पार्षदगण तिल्दा की उपस्थिति में संपन्न कराया गया।

मंगल भवन, धरसींवां में 15 जोड़ों का विवाह जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरोज चंद्रवंशी एवं जनपद अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला सेन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। शासन द्वारा सभी नवविवाहित जोड़ों को योजनांतर्गत निर्धारित सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने नवदंपत्तियों को सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन हेतु शुभकामनाएं दीं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बेटियों का सम्मान और सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से गरीब परिवारों को संबल मिल रहा है और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है। इस दौरान विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

रायगढ़ में 150 जोड़ों का सामूहिक विवाह, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने शुक्रवार को रायगढ़ के पटेलपाली कृषि उपज मंडी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 150 नवदंपतियों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। आयोजन में सामाजिक समरसता, सादगी, संस्कार और पारिवारिक सौहार्द का भाव देखने को मिला।

जिले में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के तहत रायगढ़ में 45, खरसिया विकासखंड में 15, बंजारी धाम खरसिया में 30, लैलूंगा विकासखंड में 30 तथा धरमजयगढ़ में 30 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। सभी आयोजन स्थलों पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आकर्षक एवं सुव्यवस्थित तैयारियां की गई थीं। विवाह मंडपों को पारंपरिक सजावट से सजाया गया था तथा वर-वधू एवं उनके परिजनों के लिए आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल विवाह संपन्न कराने की योजना नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, सादगी और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रभावी संदेश देते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शासन की प्राथमिकता है कि किसी भी परिवार को आर्थिक अभाव के कारण बेटी के विवाह में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

श्री चौधरी ने शासन की पारदर्शी व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसमें से 35 हजार रुपये सीधे हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से अंतरित किए जा रहे हैं, ताकि बिचौलियों की कोई भूमिका न रहे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि शेष राशि वर-वधू के परिधान, आवश्यक सामग्री एवं विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है। राज्य सरकार की यह पहल योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी रानी दुर्गावती योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बेटियों के सुरक्षित एवं सशक्त भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत बेटी के जन्म के बाद पंजीयन कराने पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर शासन की ओर से डेढ़ लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 45 नववधुओं को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद यह राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी।

उन्होंने आयोजन में सहभागी गायत्री परिवार की सराहना करते हुए कहा कि गायत्री परिवार समाज में संस्कार, शिक्षा, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक सुधार के क्षेत्र में प्रेरणादायी कार्य कर रहा है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रायगढ़ महापौर जीवर्धन चौहान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

शिवरीनारायण में 23 नवदंपत्तियों को जनप्रतिनिधियों ने दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण स्थित सत्संग भवन में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना नवागढ़ एवं जांजगीर क्षेत्र के कुल 23 जोड़ों का विवाह पूर्ण विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि विवाह समारोह में 22 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से तथा एक जोड़े का निकाह मुस्लिम परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानजनक एवं गरिमामय विवाह का लाभ मिल रहा है। विवाह उपरांत सभी नवदंपतियों को विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

समारोह में विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरवंश, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यानंद आनंद मिरी, राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास सहित पार्षदगण उपस्थित रहे। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कांसाबेल में 12 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 12 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, जिनमें 9 जोड़े हिंदू एवं 3 जोड़े ईसाई समुदाय से शामिल रहे।

समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक सौहार्द की सुंदर झलक देखने को मिली। विवाह कार्यक्रम की शुरुआत बारात निकासी से हुई, जिसमें वर-वधू पक्ष के परिजन एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वधू पक्ष द्वारा बारात का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा विधिवत वैवाहिक रस्में संपन्न कराई गईं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में जनपद पंचायत कांसाबेल की अध्यक्ष श्रीमती सरिता भगत, उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, जनपद सदस्य श्रीमती सिप्रा दास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ सामूहिक विवाह की परंपरा को भी बढ़ावा दे रहा है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराने में सहायता मिल रही है, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित हो रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से सुकमा में गूंजे मंगलगीत, 105 जोड़ों ने थामा जीवनभर का साथ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 8 मई को प्रदेशव्यापी आयोजन के क्रम में सुकमा जिले में शुक्रवार को हड़मा स्टेडियम में विधिवत पूजा अर्चना के साथ भव्य सामूहिक विवाह समारोह संपन्न हुआ। कलेक्टर सुकमा अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 105 से अधिक जोड़ों ने अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर जीवन की नई शुरुआत की। इस अवसर पर जिलेभर से बड़ी संख्या में परिजन और नागरिक उपस्थित रहे, जिससे आयोजन उत्सव का रूप लेता नजर आया।

इस सामूहिक विवाह समारोह में हिंदू, ईसाई सहित विभिन्न धर्मों एवं समुदायों तथा विशेष पिछड़ी जनजातियों के जोड़ों की सहभागिता ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता को मजबूत संदेश दिया। महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह पहले चिंता का कारण होता था, लेकिन यह योजना अब भरोसा और गरिमा का आधार बन चुकी है।

योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे उन्हें गृहस्थ जीवन की शुरुआत में सहारा मिल सके। आयोजन को व्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। एसडीएम और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवदास नेताम के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने हर व्यवस्था को समयबद्ध तरीके से पूरा कर समारोह को सफल बनाया।

कार्यक्रम में शामिल नवविवाहित जोड़ों और परिजनों ने शासन-प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बड़े सेट्टी पंचायत के नवविवाहित जोड़े श्रीमती भावना अट्टी एवं नागुल विनोद कुमार ने कहा कि उन्हें प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाएं अत्यंत अच्छी लगीं और विवाह पूरी गरिमा के साथ संपन्न हुआ। वहीं झाएरा निवासी रामकृष्ण सोड़ी ने बताया कि इस योजना से गरीब परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है और बेटियों के विवाह में सम्मान के साथ सहयोग प्राप्त होता है। समारोह में हर चेहरे पर खुशी और संतोष दिखाई दिया, जिसने योजना के मानवीय उद्देश्य को साकार कर दिया। इस अवसर पर हितग्राहियों को 35 हजार का सांकेतिक चेक और प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंगम्मा सोयम, उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, श्रीमती माड़े बारसे, जनपद सदस्य मड़कम भीमा सहित जनप्रतिनिधि, जिलास्तरीय अधिकारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डॉ. अशोक कुमार पंडा बने सेल के नए चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक, भारत सरकार ने दी मंजूरी

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

भारत सरकार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक पद पर डॉ. अशोक कुमार पंडा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 6 मई 2026 को इस नियुक्ति को अनुमोदित किया। डॉ. पंडा वर्तमान में सेल में निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे।

तीन दशक का अनुभव

डॉ. पंडा को तकनीकी संचालन, वित्तीय प्रबंधन, रणनीतिक योजना और संगठनात्मक प्रबंधन के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक डॉ. पंडा ने व्यवसाय प्रशासन में पीएच.डी. और वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उन्होंने जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर से वित्त में पीजीडीएम भी किया है।

राउरकेला से कॉपीरेट कार्यालय तक का सफर

डॉ. पंडा ने 17 अगस्त 1992 को राउरकेला इस्पात संयंत्र में प्रबंध प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में सेल में करियर शुरू किया। उन्होंने सीपीपीझ्र1 विभाग में कनिष्ठ प्रबंधक के रूप में काम किया और पदोन्नत होते हुए सेल कॉर्पोरेट कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) बने।

जुलाई 2021 में उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (वित्त एवं लेखा) का कार्यभार संभाला। जून 2022 में वे भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) बने। मार्च 2025 में वे सेल कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) पदस्थ हुए और 30 अप्रैल 2025 को निदेशक (वित्त), सेल का कार्यभार संभाला। 1 जुलाई 2025 से 18 मार्च 2026 तक उन्होंने निदेशक (वाणिज्यिक) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला।

ऋण घटाने में निभाई अहम भूमिका

डॉ. पंडा सेल की कई महत्वपूर्ण वित्तीय पहलों से जुड़े रहे। उन्होंने कंपनी का ऋण भार लगभग 20,000 करोड़ रुपये तक कम करने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही संयंत्र स्तर पर तकनीकी अक्षमताओं की पहचान कर लागत नियंत्रण और सुधारात्मक कायर्योजनाओं से परिचालन दक्षता बढ़ाने में योगदान दिया।

डॉ. पंडा सेल की विभिन्न संयुक्त उपक्रम और सहायक कंपनियों के निदेशक मंडलों में नामित निदेशक भी रहे हैं। उन्हें वित्तीय लेखांकन, लागत एवं बजट प्रबंधन, वार्षिक व्यवसाय योजना, परियोजना वाणिज्यिक गतिविधियों, कोषागार संचालन और कराधान में व्यापक विशेषज्ञता प्राप्त है। डॉ. पंडा को प्रेरणादायी, समावेशी एवं टीम-उन्मुख नेतृत्वकर्ता के रूप में पहचान मिली है।

उप मुख्यमंत्री ने 2.06 करोड़ की लागत से घोटिया 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्र का किया भूमिपूजन

कवर्धा शहर को मिलेगी मजबूत बिजली व्यवस्था, शहर के 13 वार्डों को मिलेगी बेहतर बिजली आपूर्ति, 8614 उपभोक्ताओं को होगा सीधा लाभ

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा शहर की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए नवीन बस स्टैण्ड घोटिया में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत लगभग 2.06 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस विद्युत उपकेन्द्र की सौगात दी। उन्होंने कहा कि यह केंद्र शहर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी तथा आम उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। उपकेन्द्र के शुरू होने से मेडिकल कॉलेज, नवीन बस स्टैण्ड, कृषि महाविद्यालय, तुलसी नगर और राजदीप कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा, वहीं शहर के 8614 उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कवर्धा शहर की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आज घोठिया स्थित नवीन बस स्टैण्ड के पास नए विद्युत उपकेंद्र का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद मात्र ढाई वर्षों के भीतर जिले में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और अब तक चार नए उपकेंद्रों का भूमिपूजन पूरा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि दलदली, सेमो और सरेखा में पहले ही उपकेंद्रों का भूमिपूजन हो चुका है, जबकि जल्द ही दुबहा में भी नए उपकेंद्र का भूमिपूजन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि महज ढाई वर्षों में जिले में पांच सब स्टेशन स्थापित होने जा रहे हैं, जो विद्युत व्यवस्था को नई मजबूती देंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भी नए सब स्टेशन और ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे ताकि हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं में बड़ी राहत मिलती है। ढाई साल में अब तक जिले में 486 नए ट्रांसफार्मर लगाए जा चुके हैं और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि घोटिया उपकेंद्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। अभी तक कवर्धा शहर की पूरी विद्युत व्यवस्था दो पावर ट्रांसफार्मरों के भरोसे संचालित हो रही थी, लेकिन यह तीसरा पावर ट्रांसफार्मर शहर की करीब 40 प्रतिशत आबादी को कवर करेगा। इससे वोल्टेज की समस्या, लाइन फाल्ट और ओवरलोड जैसी परेशानियों से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस नए उपकेंद्र से कवर्धा शहर के 13 वार्डों में विद्युत सप्लाई की जाएगी। इससे मौजूदा दोनों ट्रांसफार्मरों पर लोड कम होगा और दूरस्थ बस्तियों तक भी पर्याप्त वोल्टेज के साथ बिजली पहुंच सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि नवंबर माह तक इस उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य डॉ. बीरेन्द्र साहू, जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामीण उपस्थित थे।

पुराने उपकेन्द्रों पर कम होगा भार : विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस नए उपकेन्द्र के प्रारंभ होने के बाद लोहारा नाका स्थित उपकेन्द्र का भार यहां हस्तांतरित किया जाएगा। इससे दशरंगपुर, टाउन-1 तथा रामनगर फीडरों पर दबाव कम होगा। साथ ही 11 केव्ही फीडरों की लंबाई घटने से अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति संभव हो सकेगी।

8614 उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ : इस नवनिर्मित उपकेन्द्र से कवर्धा शहर के लगभग 8614 उपभोक्ता सीधे लाभान्वित होंगे। बेहतर विद्युत व्यवस्था से आम नागरिकों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और तेजी से विकसित हो रहे नए क्षेत्रों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

लो वोल्टेज की समस्या से मिलेगी राहत : नए उपकेन्द्र के निर्माण से शहर के कई क्षेत्रों में लंबे समय से बनी लो वोल्टेज की समस्या से भी राहत मिलेगी। विद्युत विभाग के अधिकारी ने बताया कि कम दूरी से विद्युत आपूर्ति होने के कारण बिजली की गुणवत्ता में सुधार आएगा और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिल सकेगी।

5 एमव्हीए ट्रांसफार्मर और तीन नए फीडर होंगे स्थापित

नवीन उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही यहां से तीन नए 11 केव्ही फीडर मेडिकल कॉलेज फीडर, तुलसीनगर फीडर तथा राजदीप कॉलोनी फीडर निकाले जाएंगे। इन फीडरों के माध्यम से नव निर्मित मेडिकल कॉलेज, नवीन बस स्टैण्ड, कृषि महाविद्यालय, तुलसीनगर एवं राजदीप कॉलोनी क्षेत्र में बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

सेवा अवधि की गणना में दो नियम पर सेवानिवृत्त निकाय कर्मियों ने जताई आपत्ति

उपमुख्यमंत्री अरुण साव को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगरीय निकाय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने 33 वर्ष की सेवा पूर्ण न होने पर कम पेंशन मिलने का मुद्दा उठाया है। कमर्चारियों ने बैठक कर आरोप लगाया कि ग्रेज्युटी के भुगतान में दैनिक वेतन की सेवा अवधि जोड़ी जाती है, लेकिन पेंशन की गणना में उसे नहीं जोड़ा जाता। इससे बड़ी संख्या में कमर्चारी पूरी पेंशन के हक से वंचित हो गए हैं।

एक विभाग, दो नियम

कर्मचारियों ने कहा कि एक ही कमर्चारी के लिए एक ही विभाग द्वारा सेवाकाल की गणना के दो अलग नियम गलत और मनमाने हैं। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकाय में वर्ष 1984-85 से दैनिक वेतन पर काम करने वाले कर्मचारियों को वर्ष 1996 से 2008 के बीच समय-समय पर नियमित किया गया। ऐसे में दैनिक वेतन की सेवा अवधि जोड़े बिना कमर्चारी पूरी पेंशन के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं।

एनपीएस राशि में देरी से बढ़ी परेशानी

कर्मचारियों ने दूसरा मुद्दा एनपीएस राशि को लेकर उठाया। वर्ष 2025 से पेंशन शुरू करने के लिए पूर्व की एनपीएस राशि की स्वीकृति की प्रत्याशा व्यवस्था बंद कर दी गई है। अब एनपीएस की राशि आने पर ही सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन शुरू होती है। इसमें एक वर्ष से अधिक समय लग जाता है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मंत्री को सौंपा ज्ञापन

दोनों विषयों के समाधान के लिए स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के भिलाई नगर निगम अध्यक्ष शशिभूषण मोहंती, सेवानिवृत्त कर्मचारी नलनीश मिश्रा, आरएस राजपूत और जिला मंत्री हरी शंकर चतुर्वेदी ने नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शीघ्र समाधान की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के फैसलों की जानकारी भी दी। इन फैसलों में कर्मचारियों की पेंशन की गणना में उनके दैनिक वेतन के सेवाकाल को जोड़ने का आदेश दिया गया है।

चाकू के हमले से घायल युवक की उपचार के दौरान 13 दिन बाद मौत

भिलाई। खुर्सीपार थाना अंतर्गत 13 वें दिनपूर्व रात में दो दोस्तों ने एक युवक के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को टोक दिया। इससे गुस्साए आरोपी ने दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। इलाज के दौरान सुनील की इलाज के दौरान शुक्रवार को दम तोड़ दिया। इससे पहले रजत कुशवाहा की भी मौत हो चुकी है। खुर्सीपार थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि बालाजी नगर में 25 अप्रैल की रात करीब 9.30 रजत कुशवाहा अपने दोस्त सुनील कन्हायी को बाइक से घर छोड़ने जा रहा था। दोनों गांधी विद्यालय के पास पहुंचे थे, तभी उन्होंने देखा कि गोलू सिंह एक लड़के को बैट से मार रहा है। रजत और सुनील ने बीच-बचाव करते हुए भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद उसने चाकू निकाल लिया और दोनों सुनील के सीने, पेट और पीठ पर वार किए - गए। घटना के बाद आसपास के लोग और - परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को तत्काल सुपेला के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। हालत बिगड़ने पर दोनों को रामनगर स्थित स्पर्श अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां -इलाज के दौरान सोमवार को रजत ने दम तोड़ दिया। वहीं, सुनील का इलाज के दौरान शुक्रवार मौत हो गई। चाकूबाजी की घटना सामने आने के बाद ही पुलिस ने आरोपी गोलू सिंह को गिरफ्तार कर लिया था।

मुम्बई में अपहरण के बाद हत्या, फरार आरोपी को जीआरपी पुलिस रायपुर ने घेरबंदी कर पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि महाराष्ट्र राज्य के मुम्बई स्थित थाना शिवाजी नगर में दर्ज अपराध कं. 376/2026 के आरोपी आवेश मुस्तफा कर्णी जो अपने साथी औरंगजेब समीरूद्दीन की अपहरण बाद हत्या कर शव को कई टुकड़ो में काटकर अलग-अलग जगह फेंक कर घटना के बाद ट्रेन 12809 मुम्बई हावड़ा मेल एक्सप्रेस से पं. बंगाल की ओर भाग रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुम्बई पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक रेल रायपुर दिव्यांग पटेल को सूचना दी गयी प्राप्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक रेल रायपुर द्वारा उप पुलिस अधीक्षक तोबियस खाखा रेल रायपुर एवं सउनि तुलेन्द्र वर्मा थाना प्रभारी जीआरपी रायपुर को तत्काल कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया उप पुलिस अधीक्षक तोबियस खाखा के मार्गदर्शन में सउनि तुलेन्द्र वर्मा थाना प्रभारी के नेतृत्व में जीआरपी थाना रायपुर के टीम द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये तत्काल रेल्वे स्टेशन रायपुर के प्लेटफार्म नंबर 06 पर घेराबंदी कर ट्रेन नं. 12809 मुम्बई हावड़ा एक्सप्रेस की सघन चेकिंग कर ट्रेन के आगे की ओर जनरल कोच से फरार आरोपी आवेश मुस्तफा कर्णी को पकड़ा गया। बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपरांत मुम्बई पुलिस थाना शिवाजी नगर को फरार आरोपी को सुपुर्द किया गया।

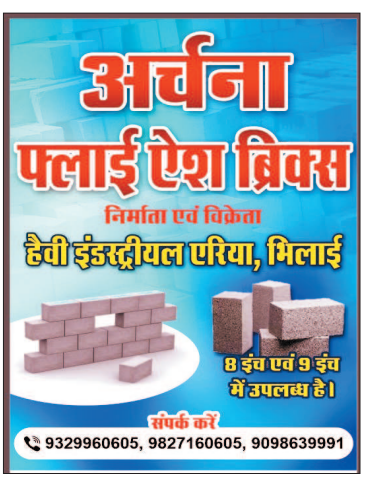

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100